Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 150
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
मंगलवार ,30 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

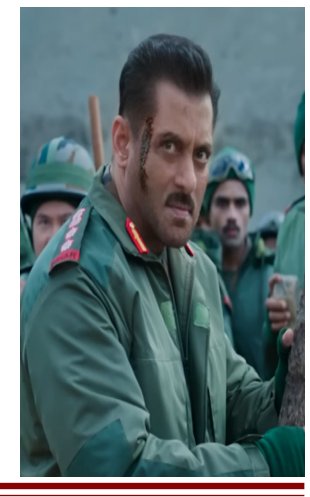

3 लखनऊ में 170 भेड़ों की मौत, 200 की हालत

4 भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप का टैरिफ

5 सलमान खान के बैटल ऑफ गलवान टीजर

ओल चिकी लिपि के 100 साल

मातृभाषा को हमेशा रखें याद:राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मू ने गाया प्रार्थना गीत

जमशेदपुर (झारखंड) , (संवाददाता) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों से अपनी-अपनी मातृभाषाओं को कभी न भूलने का सोमवार को आग्रह किया और समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। वह पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर शहर के बाहरी इलाके करनाडीह में दिशोम जहेरथान प्रांगण में संथाली भाषा की ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह और 22वें संथाली पारसी महा (भाषा दिवस) को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने अपने भाषण की शुरूआत संथाली भाषा में जाहेर आयो (आदिवासी मातृ देवी) की स्तुति में एक प्रार्थना गीत गाकर की। मुर्मू ने संथाली भाषा में भाषण देते हुए कहा, सभी तरह की भाषाएं सीखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन अपनी मातृभाषा को कभी मत भूलिए। जब आप अपने लोगों से बात करें, तो हमेशा अपनी मातृभाषा में बात करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि ओल चिकी अब डिजिटल मंच पर है और इसका उपयोग भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए किया जाना चाहिए। ओल चिकी को बढ़ावा देने में टाटा स्टील के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। राष्ट्रपति ने संथाली साहित्य के विकास में योगदान देने वाले 12 प्रतिष्ठित संथाली व्यक्तियों को भी सम्मानित किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि मुर्मू के अलावा राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा झारग्राम (पश्चिम बंगाल) से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और पद्मश्री से सम्मानित कालीपद सोरेन भी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम पंडित रघुनाथ मुर्मू द्वारा 1925 में शुरू किए गए ओल चिकी आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। उन्होंने ओल चिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

कांग्रेस ने सालों तक आंखें मूंदी, अब हो रही कार्रवाई

नागांव , (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के नागांव जिले में बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्घाटन करते हुए भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई की विरासत को याद किया और कहा कि उनके प्रयासों के बिना असम और पूरा पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा नहीं रह पाता। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि, पुनर्निर्मित बटाद्रवा थान में बोलते हुए शाह ने कहा कि आज मैं भारत रत्न गोपीनाथ जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे न होते, तो असम और पूरा पूर्वोत्तर आज भारत का हिस्सा न होता। गोपीनाथ जी ही थे जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में रखने के लिए बाध्य किया। बातद्रवा थान के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने इसे असमिया समाज में एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि असमिया सद्भाव का जीवंत प्रतीक है। सभी समुदाय यहां 'नव-वैष्णव धर्म' को आगे बढ़ाने के लिए आते हैं। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव द्वारा प्रचारित समावेशी वैष्णव परंपरा का जिक्र किया।

असम सरकार द्वारा शुरू की गई बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्देश्य इस पवित्र स्थल को विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित करना है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई 162 बीघा भूमि पर फैली इस परियोजना को लगभग 217 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। इसके साथ ही अमित शाह जोर देते हुए कहा कि भाजपा पूरे देश से सभी घुसपैठियों को हटाने का संकल्प लेती है...क्या शंकरदेव की इस जगह पर बांग्लादेशी घुसपैठियों का होना उचित था? मैं हिमंता बिस्वा शर्मा को घुसपैठियों को यहाँ से हटाने और नामघर स्थल को पुनः स्थापित करने के लिए बधाई देता हूँ। एक लाख बीघा से अधिक भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। कांग्रेस ने इतने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम आंदोलन के लिए प्राणों की आहुति देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने में सहायक होगी, साथ ही राज्य के पूजनीय वैष्णव संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक प्रतीक श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों को बढ़ावा देगी। यह परियोजना पारंपरिक असमिया सौंदर्यशास्त्र को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ मिलाकर एक व्यापक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिसर का निर्माण करती है।

सार संक्षेप

देसी बम विस्फोट का इंस्टाग्राम रील पोस्ट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

केरल: वामपंथी दलों का समर्थन करने वाले एक सोशल मीडिया अकाउंट पर कथित तौर पर देसी बम विस्फोट का वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केरल पुलिस की विशेष शाखा द्वारा कन्नूर पुलिस आयुक्त को सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर कन्नूर साइबर पुलिस ने रविवार को यह मामला दर्ज किया। प्राथमिकी के अनुसार, रेड आर्मी कन्नूर नामक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील पोस्ट की गई थी, जिसमें देसी बम विस्फोट के दृश्य दिखाए गए थे। प्राथमिकी में कहा गया है कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं ने बाद में इस रील पर एक-दूसरे को धमकी देते हुए टिप्पणियां कीं, जो दंगा भड़काने के प्रयास के समान है। कन्नूर साइबर पुलिस ने बताया कि यह रील जिले के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के बाद संयुक्त जनतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसा की घटनाओं के बाद सामने आई है।

चलती कार में आग लगी, कोई हताहत नहीं

गौतमबुद्धनगर : जिले में नोएडा एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात एक चलती कार में अज्ञात कारणों से आग लग गई और कार चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि मायचा गांव निवासी भूपेंद्र ग्रेटर नोएडा से नोएडा जा रहे थे, तभी उनकी कार में अचानक आग लग गई और उन्होंने चलती कार से कूदकर अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया लेकिन कार पूरी तरह जल गई। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना के कारण एक्सप्रेस वे पर कुछ देर यातायात प्रभावित रहा।

इंडिगो ने खराब मौसम की वजह से रद्द कीं 80 उड़ानें

मुंबई , (एजेंसी) । इंडिगो ने सोमवार को खराब मौसम की वजह से 80 उड़ानें रद्द कर दी। यह जानकारी इंडिगो की वेबसाइट से मिली। रद्द की गई इन 80 उड़ानों में से आधी दिल्ली हवाईअड्डे से संबंधित हैं। इंडिगो ने इससे पहले एक यात्री परामर्श जारी करते हुए कहा था कि उड़ान संचालन कम दृश्यता की स्थिति में किया जा रहा है। इंडिगो की वेबसाइट के अनुसार, मुंबई, बेंगलुरु, कोचिन, हैदराबाद, कोलकाता, अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, देहरादून, इंदौर, पटना और भोपाल जैसे अन्य हवाई अड्डों से आने-जाने वाली उड़ानें भी रद्द की गई हैं। एयरलाइन ने पूर्वाह्न 11:20 बजे जारी यात्रा परामर्श में कहा, दिल्ली और उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर घना कोहरा छाया हुआ है और दृश्यता में अभी पूरी तरह सुधार नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, उड़ानों की आवाजाही पर पहले से पड़ रहा प्रभाव दोपहर तक जारी रहने की संभावना है और कुछ उड़ानों में देरी हो सकती है। इंडिगो ने 'एक्स' पर जारी परामर्श में यह नहीं बताया कि उसने सोमवार को 80 उड़ानें रद्द की हैं। एयरलाइन ने परामर्श में कहा, हम आपको आश्वस्त करते हैं कि आपकी यात्रा और आराम को ध्यान में रखते हुए उड़ानों के प्रस्थान और आगमन को व्यवस्थित और क्रमबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है।

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन, करीब 150 लोगों की सुनीं समस्या

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान :सीएम

लखनऊ , (संवाददाता) । जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान का निर्देश दिया। लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। सबकी समस्याएं सुनीं और आश्वस्त किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। पैमाइश की जरूरत हो, पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

अरावली केस; सुप्रीम कोर्ट का अपने ऑर्डर पर स्टे

पहले 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन को मंजूरी दी थी, अब रोक लगाई

नई दिल्ली , (एजेंसी) । अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। आज (सोमवार) मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की वेकेशन बेंच ने अरावली

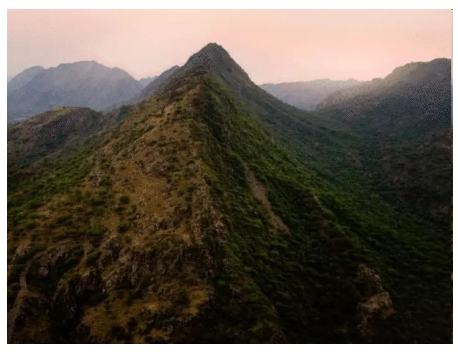

केस की सुनवाई की। उखक सूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित (abeyance) रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा। इन सिफारिशों में से एक में कहा गया है कि 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा- गलतफहमियां फैलाई जा रहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था। कोर्ट ने कहा- अदालत की टिप्पणियों का गलत अर्थ निकाला जा रहा मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। उखकने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।

पीएम मोदी ने कोनेरू हम्पी और अर्जुन एरिगैसी को दी बधाई

विश्व रैपिड चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली , (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोहा में फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय शतरंज की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को सोमवार को बधाई देते हुए उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। हम्पी ने मौजूदा चैंपियन के रूप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। वह रविवार को समाप्त हुई प्रतियोगिता के अंतिम दौर के बाद 8.5 अंक लेकर दो अन्य ग्रैंडमास्टर्स के साथ संयुक्त बढ़त पर थी लेकिन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के टाईब्रेक नियमों के कारण उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मोदी ने एक्स पर लिखा, दोहा में 2025 फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली कोनेरू हम्पी को हार्दिक बधाई। खेल के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। पीएम मोदी ने अर्जुन एरिगैसी को भी जीत की बधाई दी। कहा कि दोहा में आयोजित फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीतने पर अर्जुन एरिगैसी पर गर्व है। उनका दृढ़ संकल्प सराहनीय है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री भारतीय खिलाड़ियों का लगातार हौसला बढ़ाते रहते हैं और उनमें से कई खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से भी मिलते हैं।

एंजेल चकमा की हत्या के मामले में अखिलेश का निशाना

विघटनकारी सोच रोज किसी की जान ले रही है

देहरादून , (एजेंसी) : देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले को लेकर अखिलेश यादव ने सिस्टम पर निशाना साधा है। उन्होंने इस घटना को घृणित मानसिकता का दुष्परिणाम बताया है। साथ ही अखिलेश ने सर्वोच्च न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेकर इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने की मांग की है। अखिलेश ने एक पोस्ट में लिखा है कि देहरादून में त्रिपुरा के एक छात्र की हत्या नफरती लोगों की बेहद घृणित मानसिकता का दुष्परिणाम है. विघटनकारी सोच रोज किसी की जान ले रही है और सरकारी अभयदान प्राप्त ये लोग विषबेल की तरह फलफूल रहे हैं। इन नकारात्मक तत्वों से देश

और देश की एकता-अखंडता खतरे में है। आज इन हिंसक हालातों में यही बात सबसे ज्यादा जरूरी है कि हम सब शान्तिप्रिय, सौहार्दपूर्ण विचार वाले लोग एकजुट होकर ऐसे असामाजिक लोगों को अपने बीच पहचानने का काम करें और इनका बहिष्कार भी करें, नहीं तो हममें से कोई भी कल को इनकी हिंसा का शिकार हो जाएगा. माननीय सर्वोच्च न्यायालय स्वतः संज्ञान लेकर न्याय सुनिश्चित करे। बता दें कि त्रिपुरा के उनकोटी जिले के नंदानगर निवासी छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले में पांच आरोपियों को अभी तक पकड़ा जा चुका है। इनमें से दो आरोपी नाबालिग हैं, जिन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है। एक फरार आरोपी की धर-पकड़ के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। पुलिस की एक टीम को उसकी तलाश में नेपाल भेजा गया है।

लखनऊ में कोल्ड डे,5 .8 डिग्री लुढ़का पारा

लखनऊ , (संवाददाता) : लखनऊ में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चली। कोल्ड डे के चलते लोगों की आम दिनचर्या बुरी तरह से प्रभावित। जिलाधिकारी ने 1 जनवरी तक 12वीं तक के स्कूलों में छुट्टी का आदेश दिया है। दिनभर गलन की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 17 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। रविवार को अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 5.8 डिग्री कम रहा। इसके चलते कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 93 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 74 फीसदी रहा।

3 दिन ऐसे ही बना रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, आज दिनभर हवा की गति सामान्य रहेगी। फिलहाल मौसम शुष्क मौसम रहेगा। ठंडी हवाओं का असर जारी रहेगा। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर से आ रही ठंड हवाओं के असर के चलते मौसम ठंडा बना हुआ है। इसके चलते शीतलहर के हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग ने आने वाले 3 दिन में 2 दिन घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट और 1 दिन यलो अलर्ट जारी किया है।

अलीगंज और लालबाग में अधिक प्रदूषण

लखनऊ में सुबह के समय 6 मॉनिटरिंग स्टेशनों का औसत अदक मॉडरेट लेवल में 137 दर्ज किया गया है। लालबाग 205 और अलीगंज 216 के साथ में ऑरेंज जोन खराब श्रेणी में रहा। तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र 176 के साथ मॉडरेट लेवल में दर्ज हुआ। अंबेडकर यूनिवर्सिटी 75, गोमतीनगर 83,और कुकरैल पिकनिक स्पॉट का अदक 66 रहा। रविवार शाम 4 बजे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का औसत अदक 157 के साथ में यलो जोन में रहा था।

1 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी

लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी ने जिले में स्कूल बंद रखने का आदेश जारी किया है। डीएम के आदेश के अनुसार, राजधानी लखनऊ में भी नर्सरी से इंटरमीडिएट तक के सभी स्कूल 1 जनवरी तक बंद रहेंगे। यह आदेश सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों पर लागू होगा। ठंड और शीतलहर की स्थिति की समीक्षा के बाद आगे के निर्णय लिए जाएंगे।

क्षेत्रीय रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर, : महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में क्षेत्रीय

रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 29 दिसम्बर,2025 को महाप्रबन्धक सभाकक्ष,गोरखपुर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गयी। बैठक में प्रमुख विभागाध्यक्ष, तीनों मंडलों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, कारखानों एवं उत्पादन इकाईयों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री संजय सिंहल ने रेलवे बोर्ड द्वारा प्राप्त राजभाषा ट्रॉफी महाप्रबन्धक को समर्पित किया। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि यह हर्ष की बात है कि पूर्वोत्तर रेलवे को वर्ष 2024 के दौरान राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिये रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी प्राप्त हुई है, इसके लिये आप सभी को बधाई। साथ ही, वाराणसी मण्डल को आदर्श मंडल के रूप में आचार्य महावीर प्रसाद चल वैजयंती प्रदान की गई है। इसके लिये वाराणसी मंडल को बधाई । यह पुरस्कार आप सभी के समग्र प्रयासों का प्रतिफल है। पूर्वोत्तर रेलवे सरकारी काम-काज में हिन्दी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने के लिये निरन्तर प्रयासरत है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्यालयों में आज का सुविचार/हिन्दी श्लोक लिखना आरम्भ किया जायं। बैठकों में प्रस्तुतियाँ राजभाषा में हो। इस रेल पर राजभाषा अधिनियमों और नियमों के अधीन जारी किये गये निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन हो। सभी अधिकारी अपने निरीक्षणों में राजभाषा की प्रगति का भी निरीक्षण अवश्य करें तथा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करायें। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा मूल पत्राचार में शत-प्रतिशत हिन्दी का प्रयोग किया जाय। संसदीय राजभाषा समिति अपने निरीक्षण के दौरान इस ओर विशेष ध्यान देती है। महाप्रबन्धक ने कहा कि इस रेलवे पर कार्यरत सभी अधिकारी व कर्मचारी दैनिक कार्यों के साथ हिन्दी के प्रसार के लिये अपने प्रयास निरन्तर जारी रखें। राजभाषा का स्तर और ऊँचा बनायें। पूरे वर्ष राजभाषा के प्रगति हेतु कार्यक्रम आयोजित करें, पुरस्कार में हिन्दी की पुस्तकें दें, इससे लोगों में पढ़ने की आदत होगी। आप सभी अपने-अपने कार्यक्षेत्र का आकलन करें और बैठक की कार्यसूची में जिन बिन्दुओं में कमी दिखाई दे रही है, उसे दूर करायें। मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री संजय सिंघल ने सभी का स्वागत करते हुये कहा कि रेलवे बोर्ड द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के उदेश्य से एवं क्षेत्रों में स्थित रेल मुख्यालयों/उत्पादन इकाईयों/मंडलों/स्टेशनों/कारखानों/उपक्रमों आदि को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी तथा चल वैजयंती पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

बड़ौदा हाउस में उत्कृष्टता का उत्सव

उत्तर रेलवे PCCM पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए वाणिज्य विभाग के कर्मठ अधिकारी-कर्मचारी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय बड़ौदा हाउस में आज कार्यकुशलता, समर्पण और नवाचार का भव्य उत्सव देखने को मिला, जब

प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (PCCM) पुरस्कार 2025 वितरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक श्री नरसिंह जी ने वाणिज्य विभाग में उत्कृष्ट कार्य, उत्कृष्ट सेवा गुणवत्ता तथा संगठन के प्रति अनुकरणीय निष्ठा प्रदर्शित करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने वाले कर्मियों की उपलब्धियों पर उपस्थित अधिकारियों ने करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। अपने प्रेरक संबोधन में श्री नरसिंह जी ने कहा कि ह्लवाणिज्य विभाग उत्तर रेलवे की रीढ़ है। यात्रियों की संतुष्टि, राजस्व वृद्धि और सेवा उत्कृष्टता में विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है ह्ल उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को संगठन के लिए प्रेरणास्त्रोत बताते हुए भविष्य में और अधिक नवाचारी कार्य करने का आह्वान किया। समारोह के दौरान विभागीय उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की गई तथा यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और राजस्व संवर्धन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। PCCM पुरस्कार 2025 न केवल उत्कृष्ट कार्य का सम्मान है, बल्कि उत्तर रेलवे में उत्कृष्टता, प्रतिस्पर्धा और सेवा भाव की संस्कृति को और सुदृढ़ करने वाला एक सशक्त संदेश भी है।

बच्चों के लिए लाइफ जैकेट नहीं कुछ फटे तो कुछ बहुत ही पुराने

वाराणसी , (संवाददाता) । काशी में नए साल को लेकर पर्यटकों की भारी भीड़ हो रही है। ऐसे में गंगा घाटों पर पर्यटकों से नाव मालिक मनमाना किराया वसूल रहे हैं। वहीं बच्चों के लिए

नाव में लाइफ जैकेट नहीं है। जो है भी उसमें कुछ फटे तो कुछ बहुत ही पुराने हैं। काशी आने वाले पर्यटकों से नाव मालिक मनमाना किराया वसूल रहे हैं फिर भी सुरक्षा के नाम पर खानापूर्ति कर रहे हैं। 35 से 40 फीसदी पर्यटक ऐसे हैं जिन्हें लाइफ जैकेट नहीं दिए जा रहे। बच्चों के लिए लाइफ जैकेट की व्यवस्था किसी नाव पर नहीं है। लाइफ जैकेट की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। नावों पर रखे कई लाइफ जैकेट फटे और बहुत पुराने मिले हैं। लाइफ जैकेट में लगे बेल्ट टूटे हैं। नावों पर रेडियम पट्टी नहीं है। ऐसे में कोहरे के बीच नावों के संचालन से हादसे का खतरा बना रहता है। नए साल की शुरूआत से पहले ही बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। सब गंगा घाटों की तरफ जा रहे और नावों की सवारी कर रहे हैं। इसे देखते हुए ही पर्यटकों की सुविधाओं और व्यवस्था की पड़ताल की गई। पांच संवाददाता ने पांच घाटों से सुविधाओं की जानकारी ली तो दिक्कतें सामने आईं। अस्सी, नमो, ललिता, दशाश्वमेध और पंचगंगा घाट से चलने वाली नावों में क्षमता से ज्यादा सवारियां मिलीं। सीढ़ियों से पर्यटकों का हाथ पकड़ कर नाव तक ले जाया गया। कोई 300, कोई 500 तो कोई 1000 रुपये में पर्यटकों को गंगा की सैर कराने की बात करता दिखा। नमो घाट से ज्यादा किराया वसूला गया। यहां से अस्सी घाट तक प्रति व्यक्ति से 500 रुपये किराया लिया गया जबकि नगर निगम ने 375 रुपये किराया तय किया है। लाइफ जैकेट पुराने, ठीक कराने की जरूरत पंचगंगा घाट से चलने वाली नावों में लाइफ जैकेट हैं लेकिन काफी पुराने और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते। कई जैकेट फटे मिले। गुणवत्ता ठीक नहीं है। लाइफ जैकेट में रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगे हैं। रामघाट पर नियमों की अनदेखी राम घाट पर नियमों की अनदेखी खुलेआम देखने को मिली। यहां कई नावों पर क्षमता से ज्यादा सवारियां मिलीं। कुछ नाविकों ने तो यात्रियों को बिना लाइफ जैकेट के ही नाव में बैठा लिया। ज्यादातर नावों में बच्चों के लिए अलग साइज की लाइफ जैकेट नहीं है। दशाश्वमेध पर नाविकों ने यात्रियों से वसूले 300 से 500 रुपये दशाश्वमेध घाट पर हर यात्री से 300 से 500 रुपये वसूले गए। नाविकों ने कहा कि इतने रुपये में 40 घाट घुमा कर वापस छोड़ देंगे। नाव बुकिंग में भी मनमानी देखने को मिली है।

नहीं खुल सका तांत्रिक के कत्ल का राज हिरासत में चेले

दुबौलिया , (संवाददाता) । बेमहरी गांव के खूनी पुरवा में तीन बाद भी तांत्रिक हत्याकांड का राज नहीं खुल पाया। बेटे की तहरीर पर मामले में तांत्रिक के दो चेले समेत पांच लोग नामजद तो किए गए हैं लेकिन घटना में आरोपियों के शामिल होने के सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं। पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ने के प्रसास में जुटी है। रविवार को भी मृतक के घर पुलिस के आला अधिकारी और विवेचक का आना जाना लगा रहा। पुलिस परिजनों से फीडबैक लेने के बाद आगे की छानबीन कर रही है। तांत्रिक गोलीकांड के बाद से ही गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। हालांकि लोगों को सुरक्षा का एहसास कराने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही है। फिर भी घटना को याद कर लोग सहमे हुए हैं। घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधिकारियों की आवाजाही भी बनी हुई है। बेटे की तहरीर के बाद तांत्रिक के दो चेले पुलिस की हिरासत में आ चुके हैं। हालांकि पुलिस किसी को हिरासत में लिए जाने की बात से इनकार कर रही है। पुलिस का कहना है कि कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। कुछ साक्ष्य भी हाथ लगे हैं। लेकिन जब तक कोई ठोस सबूत न मिल जाए कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हैं कि बदमाश किस रास्ते खूनी पुरवा गांव में प्रवेश किया और घटना को अंजाम देने के बाद किधर से भागने में सफल रहे।

सॉरी एवरी वन लिखकर आईआईटी स्टूडेंट ने किया सुसाइड

कानपुर , (संवाददाता) । आईआईटी कानपुर में राजस्थान के अजमेर के रहने वाले छात्र जय सिंह मीना ने फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वह हॉस्टल नम्बर 2 और रूम नंबर 148 में रहता था। सॉरी एवरी वन... लिखकर आईआईटी स्टूडेंट ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। राजस्थान के अजमेर का रहने वाला छात्र बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग में अंतिम वर्ष में था। उसका शव हॉस्टल के रूम में पाइप से चादर के कपड़े के सहारे लटका मिला। परिजनों के लगातार फोन करने के बाद फोन रिसीव नहीं हुआ तो उसके दोस्त से बात की। तब आईआईटी प्रशासन को घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। उसके पास एक लाइन लिखा सुसाइड नोट मिला

है। राजस्थान अजमेर के अवधपुरी निवासी गौरीशंकर मीणा के बेटे जयसिंह (26) आईआईटी में बायोलाजिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र थे। वह कैंपस के हास्टल नंबर दो के कमरा नंबर 148 में रहते थे। सोमवार को सुबह से परिजन लगातार फोन कर रहे थे लेकिन जय का फोन रिसीव नहीं हुआ तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका पर उसके एक दोस्त को फोन किया ।लेकिन वह भी छुट्टी पर था ।जिसके बाद उसी दोस्त ने अन्य साथी को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद अन्य छात्रों ने कमरे के बाहर पहुंच कर दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर छात्रों ने खिड़की से झांक कर देखा तो छात्र जय सिंह का शव एक पाइप के सहारे लटकता मिला। उसने चादर के कपड़े से फंदा लगाया था। जिसके बाद आईआईटी प्रशासन पको जानकारी दी गई। आईआईटी प्रशासन की सूचना पर कल्याणपुर पुलिस और फारेंसिस टीम ने कमरे की जांच पड़ताल की। छात्र की नोट बुक में सारी एवरीवन... लिखा पाया गया जिसे जांच में शामिल किया गया है। जिसके बाद छात्र के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा गया है। परिजन मंगलवार को शहर पहुंचेंगे जिसके बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के मुताबिक शव करीब 10- 12 घंटे पुराना लग रहा है। परिजनों को जानकारी दे दी गई है ।उनके आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दी गई। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। परिजन अगर आरोप लगाते हैं। तो कार्रवाई की जाएगी।

रेल मंत्रालय: 2025 वर्षांत समीक्षा, भविष्योन्मुखी नेटवर्क का निमार्ण: 2026 के लिए मंच तैयार करतीं भारतीय रेलवे की 2025 की उपलब्धियां

गोरखपुर: केंद्रित प्रयासों, नवाचार और स्वदेशीकरण की मदद से भारतीय रेलवे को विश्व स्तरीय नेटवर्क में बदलने में मदद मिल रही है। आम आदमी को केंद्र में रखते हुए, रेलवे ने इस वर्ष विश्व स्तरीय नेटवर्क के अपने विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वर्ष 2025 के अंत के साथ, भारतीय रेलवे नए वर्ष 2026 में आपकी रेल यात्रा को और भी यादगार बनाने के लिए अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए तैयार है। अमृत भारत ट्रेनों के जरिए गैर-एसी श्रेणी में सफर करने वाले यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के बाद, भारतीय रेलवे जल्द ही एसी श्रेणी के यात्रियों के लिए पहली वंदे भारत स्लीपर शुरू करने के लिए तैयार है। यह बहुप्रतीक्षित जन-केंद्रित पहल लंबी दूरी की रेल यात्रा को सही मायने में नया रूप देगी और यात्रा के समय को काफी कम करेगी। ये पहले व्यस्त मार्गों पर और फिर धीरे-धीरे सभी मार्गों पर शुरू की जाएगी। भारत भर में पुनर्निर्मित स्टेशन यात्रियों को हवाई अड्डे जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं, जिनमें आधुनिक और चौड़े प्रवेश द्वार, उन्नत शौचालय, एस्केलेटर, लिफ्ट, फूड कोर्ट और अत्याधुनिक प्रतीक्षा कक्ष आदि शामिल हैं।

खानपान में एक क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए रेलवे विभिन्न ट्रेनों में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी पेश कर रहा है। इससे यात्रा के दौरान भोजन का स्वाद और स्वच्छता दोनों में सुधार होगा। यात्रियों के बेहतर अनुभव के साथ-साथ, रेलवे माल ढुलाई सेवाओं में भी अग्रणी बनने का लक्ष्य रख रहा है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, रिकॉर्ड संख्या में वैगनों का उत्पादन और हमारे माल ढुलाई मार्गों पर अधिक ट्रेनों का संचालन भारत के विकास की नई कहानी लिख रहा है, जिससे हम अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए विश्व के दूसरे सबसे बड़े मालवाहक बन रहे हैं। उन्नत स्टेशन, आधुनिक ट्रेनें और बेहतर सुरक्षा प्रणालियाँ हमारी आधुनिक रेल यात्रा का हिस्सा बन रही हैं। चाहे यात्रियों के बेहतर अनुभव की बात हो या व्यापारियों, परिवहनकताओं और उद्योगों के लिए व्यापार करने में बढ़ती आसानी की, सभी यह बदलाव महसूस कर रहे हैं।

आधुनिक बुनियादी ढांचे और संपर्क पर खास ध्यान देते हुए, भारतीय रेलवे बेहतर यात्रा अनुभव, कुशल माल ढुलाई सेवाएं और आधुनिक तकनीक प्रदान करके राष्ट्रीय विकास को गति दे रहा है। सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए और नवाचार से प्रेरित होकर, रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और हरित संचालन की ओर तेजी से अग्रसर है, साथ ही बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में सुधार और क्षमता वृद्धि के जरिए देश की आर्थिक प्रगति को बढ़ावा दे रहा है। इस वर्ष के प्रयास भारतीय रेलवे की अपने लोगों के लिए एक विश्व स्तरीय परिवहन नेटवर्क बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो नवाचार और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रखते हुए तेजी से बढ़ते देश की जरूरतों को पूरा करता है, ताकि वह एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर तेजी से अग्रसर हो सके। वर्ष 2025 ने हमें सुरक्षित, तेज और आरामदायक रेल यात्रा प्रदान करने की मजबूत नींव रखी। नया साल वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों के माध्यम से लंबी दूरी की यात्राओं में आरामदायक स्लीपर यात्राएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे यात्रा का समय कम होगा, साथ ही यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर ब्रांडेड भोजन और पेय पदार्थों के विकल्प भी मिलेंगे।

किफायती दामों पर तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा

वंदे भारत ट्रेनः

26 दिसंबर, 2025 तक, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर कुल 164 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।

वर्ष 2025 के दौरान, भारतीय रेलवे ने 15 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू कीं।

आने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें रात भर की यात्रा को पूरी तरह बदल देंगी। ये लंबी दूरी के यात्रियों के लिए गति, आराम और आधुनिक सुविधाओं का बेहतरीन मेल होंगी।

अमृत भारत ट्रेनः

अमृत भारत ट्रेनें, जो पूरी तरह से नॉन-एसी ट्रेनें हैं, वर्तमान में 12 स्लीपर और 8 जनरल कोचों के साथ यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

वर्ष 2025 के दौरान, 13 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गईं और वे परिचालन में हैं। भारतीय रेलवे नेटवर्क पर कुल 30 अमृत भारत ट्रेनें चल रही हैं।

नमो भारत रैपिड रेलः

नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं उच्च आवृत्ति और क्षेत्रीय संपर्क के लिए डिजाइन की गई हैं, जिससे उच्च मांग वाले कॉरिडोर में कम और मध्यम दूरी की आवागमन सुविधा बेहतर होती है।

देश में भुज-अहमदाबाद और जयनगर-पटना के बीच 2 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं संचालित हैं।

विशेष रेल सेवाएं:

2025 में, मौसमी भीड़ को देखते हुए विशेष रेल सेवाओं का संचालन काफी बढ़ाया गया, जो बेहतर योजना और यात्री सुविधा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है।

भारतीय रेलवे ने वर्ष 2025 में रिकॉर्ड संख्या में 43,000 से अधिक विशेष रेल यात्राएं संचालित कीं।

त्योहारों और गर्मियों की भीड़ को देखते हुए, साल 2025 में महाकुंभ के लिए 17,340 विशेष रेल यात्राएं, होली के लिए 1,144, ग्रीष्मकालीन विशेष रेल यात्राओं के लिए 12,417 और छठ पूजा के लिए 12,383 विशेष रेल यात्राएं संचालित की गईं।

तेज और आरामदायक ट्रेनों और आधुनिक रेलवे स्टेशनों के अलावा, व्यवस्थित रेल पटरियों के नवीनीकरण, खंडीय गति में वृद्धि, आधुनिक ट्रैक मशीनों की स्थापना और उन्नयन, पुलों को मजबूत करने, सुरक्षा बढ़ाने के लिए लेवल क्रॉसिंग को समाप्त करने, रेलवे भूमि के प्रभावी प्रबंधन और संरक्षण की दिशा में केंद्रित प्रयास किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में प्रमुख उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है।

रेल ट्रैक अवसंरचना में सुधार

पटरियों का चालू होना

1 अप्रैल से 30 नवंबर 2025 के बीच, भारतीय रेलवे ने 900 किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें चालू कीं। नई पटरियां बिछाने के अलावा, सुरक्षित, तेज और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा रेल पटरियों के नवीनीकरण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। इसी अनुसार, वर्ष 2025 के लिए, निम्नलिखित कुल नवीनीकरण कार्य किए गए।

पटरियों का नवीनीकरण कार्य

6880 किलोमीटर पटरियों का नई पटरियों से नवीनीकरण किया गया है।

7051 किलोमीटर पटरियों का पूर्ण नवीनीकरण किया गया है।

9277 सेटों के थ्रू टर्नआउट का नवीनीकरण किया गया है।

2014-25 की अवधि के दौरान, भारतीय रेलवे में कुल 34,428 किमी नई पटरी बिछाई गई, जिसकी औसत गति 8.57 किमी प्रति दिन थी। यह 2009-14 की अवधि के दौरान चालू करने की औसत दैनिक दर (4.2 किमी प्रति दिन) से दोगुने से भी अधिक है।

इस अवसंरचना विस्तार और रखरखाव को समर्थन देने के लिए, भारतीय रेलवे पटरियों से संबंधित मशीनों का आधुनिकीकरण कर रहा है। एक टैंपिंग मशीन (एचओटी-3एक्स) को उच्च-उत्पादन क्षमता वाली 3एक्स-डायनेमिक (एचओटी-3एक्स) मशीन में अपग्रेड किया गया है,

संक्षिप्त खबरें

10 ग्राम पंचायतों में वीबी जी राम जी से उगाएंगे हरा चारा

बस्ती , (संवाददाता) । पशुपालन विभाग के साथ अब गोशाला में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण के लिए गोशाला के आसपास स्थित चारागाह की जमीन पर हरा चारा उगाने की योजना मनरेगा अब (वीबी जी राम जी) से भी तैयार की गई है। तैयार हरा चारा गोशाला में निशुल्क दिए जाएंगे। इसकी योजना बन गई है। जिला प्रशासन स्तर पर मंथन के बाद ग्राम्य विकास विभाग ने चार ब्लॉकों में 10 ग्राम पंचायतों के बंजर भूमि को संरक्षित करके वहां हरे चारे की पैदावार करने की कार्ययोजना बनी है। इससे पहले पशुपालन विभाग की ओर से बताए गए प्रस्ताव के बाद हरे चारे के लिए योजना बनाई गई थी। अब मनरेगा से यह कार्य होगा। जिले में 65 गोशालाओं में 4403 मवेशियों को संरक्षण दिया जा रहा है। बताया गया कि 10 ग्राम पंचायतों में स्थित गोशालाओं के लिए चरागाह की पर्याप्त जमीन है। जिसमें जगहों पर गोशाला संचालकों की ओर से चरागाह की जमीन पर हरा चारा उगाकर मवेशियों का पोषण जुटाया जा रहा है। यह कार्य मनरेगा से हो रहा है। ज्यादातर गोशालाओं में मवेशी हरे चारे से वंचित रह जाते हैं, ऐसे में मवेशियों को सूखा चारा व दाने पर रखा जा रहा है। जिसे देखते हुए विकासखंड स्तर से प्रत्येक गोशाला संचालक से चरागाह व हरे चारे को लेकर जानकारी मांगी गई थी। जिसमें गौर ब्लॉक से एक, परशुरामपुर ब्लॉक से पांच, कुदरहा से एक, रुधौली से एक, सल्टौआ से दो स्थल चयनित करके वहां हरा चारा के लिए कार्रवाई शुरू है। बताया गया कि सात जगहों पर कार्य शुरू भी करा दिया गया है। एक स्थल पर हरा चारा की योजना पर 90 हजार से एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। 20 हेक्टेयर में किसान तैयार करेंगे नेपियर घास : पशुपालन विभाग की पहल पर 10 गांव में दो-दो हेक्टेयर यानी की 20 हेक्टेयर में नेपियर घास उगाने के लिए प्रस्ताव मांगा गया था, जिस पर आए आवेदनों पर मंथन जारी है। एक किसान को चारा के लिए चार हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके बाद उगे घास को वह गोशाला में निशुल्क देंगे।

रैन बसेरे का निरीक्षण कर अधिकारियों ने जांची व्यवस्था

बस्ती , (संवाददाता) । नगर पालिका की ओर से पिछले एक माह से स्थाई और विगत 20 दिनों से अस्थाई रैन बसेरों का सफल संचालन किया जा रहा है। रविवार को अधिकारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी, जिसमें व्यवस्था ठीक मिली। ईओ नगर पालिका जानकारी दी कि डीएम, एडीएम, सीआरओ, एसडीएम के साथ खुद लगातार रैन बसेरे का निरीक्षण कर रहे हैं। रविवार को भी आश्रय गृह स्थित रैन बसेरे और रोडवेज स्थित अस्थाई रैन बसेरे का स्थलीय करके हकीकत देखी गई। ईओ ने बताया कि ई-रिक्शा से असहायों को आश्रय स्थल भी पहुंचाया जा रहा है। ईओ ने बताया कि वर्तमान में दो स्थायी और एक अस्थायी रैन बसेरा क्रियाशील हैं। अब तक लगभग 700 लोग इन रैन बसेरों का लाभ उठा चुके हैं। इसके लिए रजिस्टर बना है। अलाव व्यवस्था शहर के सभी प्रमुख चौराहों, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल, महिला अस्पताल और अन्य सार्वजनिक कार्यालयों में नियमित रूप से प्रतिदिन अलाव जलाए जा रहे हैं। बताया कि सर्दी के इस मौसम में किसी भी निराश्रित को असुविधा न हो, इसके लिए निरंतर प्रयासरत है।

अलाव के इंतजाम नहीं, ठिठुरे लोग

महादेवा , (संवाददाता) । कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। तापमान प्रतिदिन लुढ़क रहा है। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से विकासखंड बनकटी के महादेवा चौराहे पर अलाव का इंतजाम नहीं होने से लोग काफी परेशान है। स्थानीय निवासी हरिद्वार, रामचंद्र, रामधनी अग्रहरि कहते हैं कि पहले सामाजिक संगठन भी राहत पहुंचाने के लिए आगे आते थे। इस बार कोई प्रशासन के साथ समाजसेवी भी शांत है। डॉ. आशुतोष, राजेश, राकेश, रमेश चंद्र, आदि ने बताया कि इस भीषण ठंड में अलाव से राहत मिलेगी। महादेवा बाजार के व्यापारी रमेश का कहना है कि ठंड एवं गलन के चलते दुकान में बैठना कठिन हो गया है। बाहर गत्ता आदि जलाकर हम लोग अलाव की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके के अलावा, कुरियार बाजार, लहरी चौराहा, बोकनार आदि जगहों पर भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है।

खो-खो प्रतियोगिता में बस्ती मंडल को मिला तीसरा स्थान

कप्तानगंज (बस्ती) , (संवाददाता) । प्रदेश स्तरीय महिला खो-खो प्रतियोगिता जौनपुर के पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इसमें बस्ती मंडल के टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। 25 से 27 दिसंबर तक यह प्रतियोगिता हुई। बस्ती मंडल की टीम की कोच नीलम ओझा के अनुसार प्रतियोगिता में 12 टीमों ने प्रतिभाग किया। बस्ती मंडल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया,मगर सेमीफाइनल में गोरखपुर से हार का सामना करना पड़ा। बस्ती मंडल की टीम ने मुरादाबाद मंडल को हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय कीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि खो-खो में खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

त्वचा रोगी बढ़ गए सर्दी में हार्निया भी कर रहा परेशान

बस्ती , (संवाददाता) । बढ़ती ठंड और शुष्क हवा से त्वचा संबंधी दिक्कतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं। तापमान गिरते ही हाथ-पैर में रूखापन, चेहरे पर सफेद परत, फटी त्वचा, खुजली और लाल दाने उभरने की समस्या से लोग परेशान हो रहे हैं। सामान्य दिनों की अपेक्षा मरीजों की संख्या बढ़ गई हैं। स्किन डॉक्टर की ओपीडी और आवास पर मरीज पहुंच रहे। वहीं, फिजीशियन वायरल संक्रमण तो सर्जन हार्निया और स्टोन मरीजों को परामर्श दे रहे हैं। जिला अस्पताल में सर्दी के अलावा रोजाना त्वचा रोगी पहुंच रहे हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. राम अनुग्रह ने बताया कि ठंड बढ़ने के साथ हवा में नमी कम हो जाती है। इससे त्वचा शुष्क और रूखी होने लगती है। अधिक गर्म पानी से नहाने, रूम हीटर में अधिक रहने से भी ऐसा होता है। साफ कपड़े पहनें। सर्जन डॉ. एसके सिंह का कहना है कि ठंड में हर्निया परेशान करता है। ऐसे आ रहे मरीजों को ऑपरेशन के लिए समय दिया जा रहा है। वहीं, पेट में स्टोन की शिकायत लिए भी मरीज पहुंच रहे। जांच के बाद ऑपरेशन के लिए कहा जा रहा है। स्टोन की शिकायत से परेशान मरीज सीमा ने बताया कि जांच करा चुके हैं, लेकिन अभी डॉक्टर समय दिए हैं। तय समय पर ऑपरेशन कराएंगे।

बग्गा ने बाबी को दी पटकनी

नगर बाजार(बस्ती) , (संवाददाता) । पोखरा बाजार में आयोजित अखिल भारतीय दो दिवसीय कुश्ती दंगल का रविवार को समापन हो गया। सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव ने विजेता पहलवानों को सम्मानित किया। समापन दिवस पर कई रोमांचक मुकाबले हुए। पहलवानों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। बग्गा पहलवान ने बाबी मिश्रा को कड़ी टक्कर के बाद पटखनी दी । दोनों के बीच कई बार कुश्ती कराई गई। आखिरकार बग्गा पहलवान के हाथ विजय लगी। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में बाबा नगेंद्र दास ने सोनू पहलवान (चंबल घाटी) पर जीत दर्ज की। शेरू पहलवान (चंबल) और अशोक पहलवान दिल्ली के बीच हुए मुकाबले में अशोक पहलवान विजयी रहे।

इंदौर वनडे में छात्रों और दिव्यांग प्रशंसकों के लिए होगी विशेष टिकट

इंदौर। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने इंदौर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले तीसरे वनडे मैच के लिए खास योजना बनाई है। संघ ने छात्रों और दिव्यांग प्रशंसकों को रियायती दर में टिकट मुहैया कराने की तैयारी की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने बताया कि इस मैच के टिकट ऑनलाइन मिलेंगे। सीरीज का आखिरी मैच क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक विशेष अवसर होने वाला है क्योंकि एमपीसीए ने छात्रों और दिव्यांग दर्शकों के लिए विशेष टिकट व्यवस्था की है। कम कीमत पर मिलेगी टिकटें भारतीय पुरुष टीम की 2026 में यह पहली सीरीज होगी और इसका अंतिम मैच इंदौर में खेला जाएगा। सीरीज के शुरूआती दो मैच वडोदरा और राजकोट में खेले जाएंगे और फिर होलकर स्टेडियम तीसरे मैच की मेजबानी करेगा।

लखनऊ में 170 भेड़ों की मौत, 200 की हालत बिगड़ी

लखनऊ , (संवाददाता) : लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल में 170 भेड़ों की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। 200 से ज्यादा भेड़ों की हालत नाजुक है। वे उठ नहीं पा रही हैं। दरअसल, 25 दिसंबर को पीएम मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया था। उद्घाटन समारोह के बाद बचा हुआ खाना वहीं फेंक दिया गया था। भेड़ों ने बासी और सड़े खाने को खा लिया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। थोड़ी ही देर में वे चिल्लाने लगीं। धीरे-धीरे कर बेहोश होती गईं। सोमवार सुबह तक 170 भेड़ें मर गईं। इनके शरीर अकड़ चुके हैं। जब पूरे इलाके में भेड़ों की मौत का शोर मचा तो पुलिस पहुंची। सरकारी मेडिकल टीम को बुलाया गया। डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। चार चरवाहों की भेड़ें थीं, फतेहपुर से आए थे सभी भेड़ें चार चरवाहों की थीं। ये लोग फतेहपुर से कुछ दिन पहले यहां भेड़ चराने आए

थे। भेड़ पालने वाले प्रदीप कुमार, विजय पाल, अजय पाल, शिवरतन ने बताया- हमारी भेड़ों की रात में तबीयत खराब होनी शुरू हो गई थी। हमने देसी दवाई भी खिलाने की कोशिश की, लेकिन कुछ काम नहीं आई। सुबह होने तक 170 भेड़ें मर गईं। हेल्पिंग हैंड NGO की अध्यक्ष चारु ने बताया- प्रेरणा स्थल के उद्घाटन के दिन वहां पर जो लंच बॉक्स बंटा था, उसके बच्चे हुए खाने को खाकर भेड़ बीमार हो गईं। उन्हें फूड प्वाइजनिंग हो गई। प्रेरणा स्थल के आसपास बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत हो गई है। काफी भेड़ें बीमार हैं। सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि जिस दिन प्रेरणा स्थल का उद्घाटन हुआ, उसके बाद यहां साफ-सफाई नहीं हुई। फेंके हुए भोजन को खाने की वजह से इन भेड़ों की मौत हुई है। नगर निगम समेत जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। डॉक्टर बोले- फूड पॉइजनिंग हो सकती है पशु चिकित्सा अधिकारी आरपी सचान 5 डॉक्टरों की टीम लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह फूड पॉइजनिंग का केस लग रहा है। सड़ा या ज्यादा खाना खाने से पशुओं में ब्लॉट होने लगता है। उनका पेट फूलता है। सांस लेने में दिक्कत होती है। इसी से मौत भी हो जाती है। जिन भेड़ों की हालत अभी ठीक नहीं है, हम लोग उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

जीजा-साले ने चुराया था मोहर्रम का घोड़ा

लखनऊ पुलिस ने 4 दिन बाद उन्नाव से बरामद किया, 50 हजार इनाम मिलेगा

लखनऊ , (संवाददाता) : तालकटोरा कर्बला से चोरी हुआ ईरानी नस्ल का दुलदुल (जुलजनाह) घोड़ा पुलिस ने बरामद कर लिया है। चोरी के 4 दिन बाद घोड़ा उन्नाव जिले के मौरांवा गांव से बरामद हुआ है। पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। उसने अपने साले के साथ मिलकर चोरी की थी। पुलिस उसके साले की तलाश कर रही है। दुलदुल घोड़े को खोजने वाले व्यक्ति को 50 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा हुई थी। अब यह इनाम पुलिस टीम को मिलेगा। दरअसल, इस्लाम धर्म के शिया समुदाय में दुलदुल नस्ल के घोड़े की काफी अहमियत है। मान्यता है कि पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन को दुलदुल नस्ल के घोड़े पसंद थे। शिया समुदाय के धार्मिक आयोजनों में इसे विशेष रूप से शामिल किया जाता है। इसकी बरामदगी के लिए शिया समुदाय के लोग दुआएं मांग रहे थे। इसकी बरामदगी के बाद से लोगों में खुशी है। अस्तबल के गेट का ताला काटकर चोरी की थी कर्बला राजाजीपुरम के पूर्व मुतवल्ली सैय्यद फैजी ने बताया कि उनका दुलदुल नस्ल का घोड़ा तालकटोरा कर्बला स्थित अस्तबल में बंधा था। 24 दिसंबर की सुबह करीब 8 बजे उन्हें फोन आया कि अस्तबल के गेट के ताले को कटर से काट दिया गया है। घोड़ा गायब है। आसपास के लोगों से पूछताछ की। कई जगह तलाश की। कुछ पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी।

हर मंडल मुख्यालय पर बनाएंगे स्पोर्ट्स कॉलेज : योगी

लखनऊ , (संवाददाता) : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिले स्तर पर बड़ा स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के साथ सरकार हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाया जाएगा। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार सुदृढ़ कर रही है। बेलीपार के पास एक इंटरनेशनल स्टेडियम बनने जा रहा है। रीजनल स्टेडियम का भी 63 करोड़ रुपये की लागत से नवोद्धार हो रहा है। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी बेहतरीन स्टेडियम बन रहा है। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का सत्र प्रारंभ हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी का विश्व स्तरीय निर्माण जारी है। अब सरकार की तैयारी हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक-एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। यहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा।

अगली बार कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी होंगी प्रतियोगिताएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक खेल स्पर्धा को लेकर अपनी आगामी योजना भी साझा की। उन्होंने कहा कि अगली बार बच्चों और छात्रों के स्तर के साथ ही वार्ड स्तर पर कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वार्ड स्तर, उसके बाद कुछ वार्डों को मिलाकर उपनगरीय और फिर नगर स्तर पर बड़ी प्रतियोगिता, बड़े समारोह का आयोजन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

यूपी में हर सातवें दिन मुठभेड़

लखनऊ , (संवाददाता) : कमिश्नरेट पुलिस वर्ष 2025 में अपराधियों के खिलाफ सख्त दिखी। इस वर्ष पुलिस और बदमाशों ने 58 मुठभेड़ हुई जिसमें गोली लगने से तीन बदमाशों की मौत हो गई और 55 को गिरफ्तार किया गया। 196 के खिलाफ गैंगस्टर और 217 पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई जिला बदर किया गया। 16 आरोपियों की 4.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस पूरे साल में 525 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, जिसमें मजबूत पैरवी कर 829 आरोपियों को कोर्ट से सजा दिलाई। इसमें एक को मृत्युदंड और 46 को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने बताया कि इस वर्ष एक भी डकैती की वारदात नहीं हुई। पिछले वर्ष की तुलना में हत्या के अपराधों में कमी दर्ज की गई। हत्या जैसे गंभीर मामलों में लखनऊ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 525 अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। हत्या के मामले में आरोपित 3 लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि 41 अभियोगों में 196 अभियुक्तों के खिलाफ गैगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत कार्रवाई की गई। कमिश्नरेट पुलिस की मजबूत पैरवी के कारण 829 आरोपितों को कोर्ट ने सजा दी। महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित गंभीर अपराधों में 139 अभियुक्तों को सजा दिलाने में सफलता प्राप्त की गई। वहीं कठोरतम दण्ड में 1 आरोपित को मृत्युदण्ड (फांसी) की सजा व 46 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने के लिए पुलिस ने अच्छे से पैरवी की। मिशन शक्ति 5.0 एवं पिंक पुलिसिंग को किया बेहतर पुलिस कमिश्नर के मुताबिक महिलाओं की सहायता और काउंसलिंग के लिए 99 पिंक बूथ क्रियाशील किए गए। पुलिस स्टेशनों पर 53 मिशन शक्ति केंद्रो की स्थापना की गई। त्वरित निस्तारण के लिए 53 विशेष सीयूजी (CUG) नंबर आवंटित किए गए। यूपी-112 ने महिला संबंधी 80,735 शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की, जिसका औसत रिस्पॉन्स टाइम मात्र 8 मिनट रहा।

लखनऊ में ट्रेन से कटकर युवक ने जान दी

लखनऊ , (संवाददाता) : लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार इलाके में युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। सोमवार सुबह दोस्त से झगड़े के बाद युवक भाई को फोन करके रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूद गया। इससे पहले उसने अपनी बाइक जलाने की कोशिश की थी। वहां मौजूद लोगों ने लोहिया अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान एसटीपी चौराहा भैसुरा बीबीडी निवासी नितेश मिश्रा (26) पुत्र अंजनी प्रसाद के रूप में हुई। नितेश अपने भाई मुकेश मिश्रा की खरगापुर स्थित 99-स्टोर में साथ काम करता था। भाई मुकेश ने बताया- सोमवार सुबह नितेश का कॉल आया। उसने अनमोल के साथ झगड़ा और मारपीट की जानकारी

दी। इस पर उसे घर आने के लिए कहा लेकिन नहीं आया। कुछ देर बाद हुसड़िया क्रॉसिंग शहीद पथ के नीचे ट्रेन के आगे कूदने की सूचना मिली। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस की मदद से उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

पेट्रोल निकालकर गाड़ी जलाने की कोशिश

भाई के मुताबिक, वहां मौजूद लोगों ने बताया- नितेश अपनी स्प्लेंडर बाइक से क्रॉसिंग पर पहुंचा। इसके बाद गाड़ी की टंकी खोलकर उसमें आग लगाने का प्रयास करने लगा। जब उसे रोका गया तो बगल से गुजर रही ट्रेन के आगे कूद गया। मामले में इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी का कहना है मृतक के पिता ने शिकायत दी है। मामले की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ और असलहों के तस्कर आतंकी गतिविधियों में शामिल

लखनऊ , (संवाददाता) : आतंकवाद के स्वरूप में तेजी से बदलाव आ रहा है। अब मादक पदार्थों और अवैध असलहों की तस्करी करने वाले अपराधी भी आतंकी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं। इसे आतंकवाद का हाइब्रिड मॉडल माना जा रहा है। इसमें आतंकवाद, संगठित अपराध और नार्को नेटवर्क का गठजोड़ शामिल है। ऐसे अहम इनपुट खुफिया एजेंसियों को मिले हैं। राजधानी लखनऊ में पुलिस मंथन कार्यक्रम में आतंकवाद विरोधी अभियान, मादक पदार्थों और संगठित अपराध पर विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि कई प्रतिबंधित संगठन अपने नाम और स्वरूप बदलकर सक्रिय हैं। सिमी, वाहदत-ए-इस्लामी, आईवाईएफ और पीएफआई जैसे संगठन अलग-अलग रूपों में सामने आए हैं, जबकि पीएफआई का राजनीतिक रूप एसडीपीआई के तौर पर सामने आया है। इसके अलावा महिला विंग्स के रूप में जमात-उल-मोमिनात और इस्लाम की मुजाहिद बेटियां जैसे संगठन भी सक्रिय बताए गए। आतंकवाद के पीछे भूराजनैतिक कारणों पर भी प्रकाश डाला गया, जिनमें पाकिस्तान, आतंकी ढांचे का पुनर्गठन, नए लॉन्च पैड, बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता, भारत विरोधी तत्वों का उभार और नेपाल शामिल हैं। बताया कि आतंकी हमलों का स्वरूप भी बदल चुका है। पहले सैन्य ठिकाने निशाने पर होते थे, लेकिन अब नागरिक, धार्मिक स्थल और संवेदनशील स्थान ज्यादा टारगेट बन रहे हैं। आतंक अब सीमित दायरे से निकलकर वैश्विक रूप ले चुका है। छद्म गतिविधियों जैसे हनी ट्रैप, धर्मांतरण, शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों के दुरुपयोग के जरिए आतंक फैलाया जा रहा है।

यूपी बना देश में सर्वाधिक पर्यटक आगमन वाला राज्य

लखनऊ , **(संवाददाता)** । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य पर्यटन विभाग ने 2025 में अभूतपूर्व सफलताएं हासिल की हैं। मुख्यमंत्री के विजन के मुताबिक धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों के नवीनीकरण और पर्यटन सुविधाओं के विकास से यूपी घरेलू पर्यटन में देश में प्रथम तथा विदेशी पर्यटन में चौथा स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2025 में प्रदेश में 137 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि 3.66 लाख विदेशी पर्यटकों ने प्रदेश की यात्रा की। इसकी बड़ी वजह प्रयागराज में दिव्य-भव्य महाकुंभ-2025 रहा, जहां रिकॉर्ड 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और श्रावस्ती जैसे स्थल अब देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र बन चुके हैं। सीएम योगी के विजन के मुताबिक प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक टूरिज्म की नई संभावनाओं का विकास हुआ है, पर्यटन एवं कला, संस्कृति विभाग द्वारा होने वाले दीपोत्सव, रंगोत्सव, देवदीपावली और माघ मेला जैसे आयोजन देश, विदेश के पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बन गये हैं। उत्तर प्रदेश, भारतीय संस्कृति और इतिहास का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, लेकिन 2017 से पूर्व की सरकारों में उपेक्षित पड़े पर्यटन स्थलों को सीएम योगी आदित्यनाथ के शासन काल में न केवल पुनर्जीवित किया, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और कनेक्टिविटी को मजबूत बनाया। एयरपोर्ट, ट्रेन-बस सेवाओं तथा होटल-होम स्टे की सुविधाओं से विदेशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटन विभाग ने इस वर्ष प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए 1283.33 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू कीं। जिनमें वाराणसी के घाटों का सौंदर्यीकरण, एकीकृत सर्किट हाउस और कन्वेंशन सेंटर का निर्माण, चित्रकूट में कालिंजर एकीकृत मार्ग तथा राम वन गमन मार्ग पर पर्यटक सुविधा केंद्रों का विकासप्रमुख हैं। मुरादाबाद के भगवानपुर मंदिर,शाहजहांपुर के अजीताश्रम योगकुंज जन्मस्थली, वाल्मीकिनगर में लवकुश कुटी, त्रेतायुग भूमि कुटी, भरतकोठी, सीता रसोई और कौसल्या स्थल का जीर्णोद्धार तेजी से हो रहा है। जिला पर्यटन इकाइयों के माध्यम से 7 करोड़ रुपये की लागत से पांच नई परियोजनाएं प्रारंभ हुईं। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहयोगिता योजना में इस वर्ष 2 परियोजनाओं को अनुमोदन मिला, जबकि 4 अन्य को जल्द ही स्वीकृति मिलने वाली है।पर्यटन एवं संस्कृति विभाग ने अन्य विभागों के साथ मिलकर समय-समय पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराया, जिसने प्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। इस क्रम में इस वर्ष का सबसे बड़ा आयोजन प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 का आयोजन रहा। महाकुम्भ के दिव्य-भव्य आयोजन में देश विदेश से रिकार्ड संख्या में पर्यटक प्रयागराज आये। आयोध्या के भव्य दीपोत्सव के आयोजन में दीयों के प्रज्जवलन का अपना ही पुरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, वहीं वाराणसी की रामलीला में विश्व का सबसे बड़ा राम तख्त भी गिनीज बुक में दर्ज हुआ। गंगा घाट पर राम कथा, कथक-नृत्य, 3-डी होलोग्राम और प्रोजेक्शन मैपिंग ने समा बांधा। वहीं होली पर ब्रज क्षेत्र में रंगोत्सव, रामनगर की चिल्का होली, काशी की होली तथा मथुरा की लठमार होली ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध किया। 2025 में घाघरा महोत्सव, ब्रह्मा महोत्सव, मकर संक्रांति महोत्सव, दूधई मेला, गाजीपुर महोत्सव, वाराणसी महोत्सव, चित्रकूट का लालगढ़ मेला जैसे आयोजनों से पर्यटक संख्या, राजस्व और स्थानीय रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 ने प्रदेश में पर्यटन के बहुआयामी विकास किया।

राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना को मिली गति

लखनऊ , (संवाददाता) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना वर्ष 2025 में सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। समाज कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत बीते आठ माह में प्रदेश भर में 9.83 लाख नए पात्र वृद्धजनों को जोड़ा गया है, जिससे कुल पेंशन लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 67.50 लाख तक पहुंच गई है।समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप वृद्धजनों को सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन देने की दिशा में यह योजना लगातार सशक्त हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर योजना में डिजिटल मॉनिटरिंग, आधार आधारित सत्यापन और सतत निगरानी की व्यवस्था लागू की गई है। इससे पेंशन वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनी है तथा यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी सहायता सही पात्रों तक ही पहुंचे। 2024 में जहां राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना से 61लाख वृद्धजन लाभान्वित हो रहे थे, 2025 में यह संख्या बढ़कर 67.50 लाख हो गई है। लाभार्थियों में यह वृद्धि योगी सरकार की सामाजिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसके तहत प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक संबल दिया जा रहा है।योजना की शुचिता बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा नियमित सत्यापन और समीक्षा की गई। 2024 में 1.77 लाख, जबकि 2025 में 3.32 लाख मृतक और अपात्र लाभार्थियों के नाम पेंशन सूची से हटाए गए।

मार्कशीट फजीर्वाड़े में फिर आया हिमालयन गढ़वाल विवि का नाम

लखनऊ , (संवाददाता) । राजधानी लखनऊ में फर्जी मार्कशीट मामले में एक बार फिर महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विवि उत्तराखंड का नाम सामने आया है। एक अभ्यर्थी ने इस विश्वविद्यालय की मार्कशीट सरकारी स्कूल में नौकरी के लिए लगाई थी। छानबीन में पता चला कि मार्कशीट फर्जी है। गोमतीनगर थाने की पुलिस व पूर्वी जोन की क्राइम टीम ने शनिवार को फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड अयोध्या के पूरा कलंदर निवासी सत्येंद्र द्विवेदी, उन्नाव के बीघापुर के अखिलेश कुमार और लखीमपुर खीरी के ईशानगर निवासी सौरभ शर्मा को गिरफ्तार किया। इनके पास से 923 फर्जी मार्कशीट और इसे बनाने का सामान भी बरामद हुआ। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जिन 25 विश्वविद्यालयों का नाम सामने आया, उसमें महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विवि उत्तराखंड भी शामिल है।मार्कशीट फजीर्वाड़े में इस विवि का नाम दूसरी बार सुर्खियों में आया है। इससे पहले 2024 में इसका नाम तब आया था जब एक युवक ने मेरठ के लावड़ा स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में प्रवक्ता पद के लिए मार्कशीट लगाई थी। संदेह होने पर कॉलेज के प्रधानाचार्य ने मार्कशीट का सत्यापन कराने के लिए कहा था। हालांकि, तब कुछ नहीं हुआ।

विवि ने आरटीआई का भी नहीं दिया था जवाब

प्रधानाचार्य ने आरटीआई के जरिये महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विवि से जवाब मांगा था। लेकिन, प्रशासन ने कोई उत्तर नहीं दिया था। ऐसे में तत्कालीन राज्य सूचना आयुक्त ने मौके पर ही मार्कशीट का सत्यापन किया तो वह फर्जी पाई गई थी। विवि में जब संबंधित छात्र के रिकॉर्ड देखे गए तो वहां कुछ नहीं मिला। साथ ही विवि ने ऐसे किसी छात्र को मार्कशीट जारी करने की बात से इन्कार कर दिया था। इस पर आयोग ने विवि प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा था।

1500 छात्रों में से एक हो सकता है आवेदनकर्ता

मार्कशीट और डिग्री बनाने के मामले में पकड़े गए आरोपियों ने 2021 से अब तक 1500 छात्रों को फर्जी मार्कशीट बेची थी। ऐसे में पूरी आशंका है कि जिस छात्र ने मेरठ में प्रवक्ता पद के लिए आवेदन किया था, वह 1500 छात्रों में से ही एक हो। क्योंकि इसकी पूरी संभावना बनी हुई है कि 1500 छात्रों ने प्राइवेट के साथ ही सरकारी विभागों में आवेदन किए हों या फिर उनकी नौकरी भी लग चुकी हो। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच चल रही है। गिरोह के तीन लोगों की तलाश की जा रही है। इनके पकड़े जाने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अवैध शराब और शराब माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

लखनऊ , (संवाददाता) । योगी सरकार ने इस साल अपने निर्णयों से आबकारी विभाग में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। ये सालआबकारी विभाग के लिए कई बदलाव के लिए जाना जाएगा। नई आबकारी नीति ने विभाग की पूरी कार्यप्रणाली को तकनीक आधारित और पारदर्शी बना दिया है। वहीं राजस्व प्राप्ति के मामले में इस साल आबकारी विभाग ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। निवेश और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। योगी आदित्यनाथ सरकार की नई आबकारी नीति ने विभाग की छवि को सकारात्मक रूप से बदलने का काम किया है। इस साल शराब की दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया जिससे लाइसेंस आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और ऑनलाइन हो गई। नई नीति के तहत उत्पादन से लेकर परिवहन और बिक्री तक हर स्तर पर सख्त निगरानी की गई है। शीरा के उत्पादन, उठान और वितरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है, जबकि आसवनियों और अन्य इकाइयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मदिरा और स्पिरिट के टैंकरों में डिजिटल लॉक लगाए गए हैं और केवल जीपीएस युक्त वाहनों से ही परिवहन की अनुमति दी गई है। आसवनियों में डिजिटल अल्कोहलोमीटर, मास फ्लो मीटर, रडार आधारित लेवल सेंसर और बॉटलिंग काउंटर लगाए गए हैं। अवैध शराब और अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। अवैध शराब के निर्माण और तस्करी से जुड़े 79,990 अभियोग दर्ज किए गए हैं। 20.86 लाख लीटर अवैध मदिरा एवं मादक द्रव्य बरामद किए गए। अवैध कारोबार में संलिप्त 15,085 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 2,755 को जेल भेजा गया। अवैध मदिरा से जुड़ी किसी भी सूचना के लिए लखनऊ स्थित कंट्रोल एवं कमांड सेंटर का टोल फ्री नंबर 14405 और व्हाट्सएप नंबर 9454466019 सक्रिय है। मदिरा की वैधता जांच के लिए यूपी एक्साइज सिटीजन ऐप विकसित किया गया है। योगी सरकार की नई आबकारी नीति का असर राजस्व आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है।

अपोलो हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने जटिल प्रक्रिया द्वारा निकाली फेफड़ो में फँसी सुपारी, बचाई मरीज की जान

लखनऊ , (संवाददाता) । मुंह में सुपारी, लौंग या कोई और चीज रखकर सो जाना कई लोगों की आदत होती है लेकिन यह आदत बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। नींद के दौरान कई बार इस तरह की चीजें सांस की नली के रास्ते फेफड़ों में पहुंच सकती हैं और लंबे समय तक बार-बार होने वाले संक्रमण का कारण बन सकती हैं। हाल ही में अपोलो हॉस्पिटल में कुछ ऐसा ही केस देखने को मिल जहां करीब 70 साल की एक बुजुर्ग महिला को बार-बार छाती में संक्रमण और निमोनिया की शिकायत के साथ अस्पताल में आई। हालत ज्यादा खराब होने की वजह से उसे आई सी यू में भर्ती कराना पड़ा। इस दौरान एक्स-रे और सीटी स्कैन की जांच में उनके फेफड़ों में निमोनिया पाया गया। मरीज को पहले से हृदय संबंधी समस्या, हाई ब्लड प्रेशर था और वह ब्लड थिनर (खून पतला करने की दवाएं) भी ले रही थीं। बीमारी के कारण को समझने के लिए डॉक्टरों ने ब्रोंकोस्कोपी करने का निर्णय लिया। अपोलो हॉस्पिटल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ शुभम अग्रवाल ने बताया कि ब्रोंकोस्कोपी के दौरान यह देखा गया कि जिस हिस्से में निमोनिया था, वहां फेफड़े के अंदर कोई वस्तु फंसी हुई है। डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि उस वस्तु को निकालना बेहद जरूरी है और इसके लिए जनरल एनेस्थीसिया और वेंटिलेटर की जरूरत पड़ेगी। प्रक्रिया लंबी होने के कारण परिवार पहले घबरा गया लेकिन बातचीत और समझाने के बाद उन्होंने सहमति दी। इसके बाद मरीज को पूरी तरह बेहोश कर फेफड़ों के अंदर कैमरे और विशेष उपकरण की मदद से वह वस्तु बाहर निकाली गई। प्रक्रिया के दौरान हल्की ब्लीडिंग हुई, जिसे दवाओं से नियंत्रित कर लिया गया। जब वह वस्तु बाहर निकाली गई, तो वह सुपारी का एक टुकड़ा था। परिवार ने बताया कि मरीज को सुपारी चबाने की आदत थी और वह कई बार रात में भी मुंह में सुपारी रखकर सो जाती थीं। यही सुपारी का टुकड़ा उनके फेफड़ों में फंसा हुआ था और उसी की वजह से उन्हें लंबे समय से बार-बार संक्रमण हो रहा था। सुपारी का टुकड़ा निकालने के बाद मरीज की हालत तेजी से सुधरी, उन्हें वेंटिलेटर से हटा दिया गया और कुछ ही समय में वह स्वस्थ होकर घर लौट गईं। डॉ शुभम ने कहा कि जब कोई बाहरी चीज सांस के रास्ते फेफड़ों में फंस जाती है, तो उसके आगे का पूरा हिस्सा संक्रमित हो जाता है और वहां मवाद बन सकता है। कई बार व्यक्ति के गहरी नींद में होने पर सांस की नली से फेफड़ें में जाकर फंसी चीजों का पता भी बस हल्की खांसी से नहीं चल पाता है। खांसी की दवा या नेब्यूलाइजर के इस्तेमाल से कई बार ये लक्षण भी धीमे पड़ जाते हैं और एक्स रे से पता भी नहीं चल पाता कि फेफड़े में कुछ फंसा है। ऐसे में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डॉक्टर शुभम ने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति मुंह में सुपारी, लौंग या कोई भी चीज रखकर सोता है तो यह बेहद खतरनाक है, ये आदत जान के लिए खतरा हो सकती है। इसके अलावा अगर किसी वयस्क को बार-बार छाती का संक्रमण या निमोनिया हो रहा है, तो यह भी देखना जरूरी है कि कहीं कोई बाहरी वस्तु फेफड़ों में तो नहीं फंसी है। नींद में ऐसी स्थिति होने पर व्यक्ति को खांसी के जरिए भी इसका साफ संकेत नहीं मिल पाता, जिससे असली कारण लंबे समय तक छुपा रह जाता है। डॉ. मयंक सोमानी, एमडी और सीईओ, अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कहा कि यह केस बताता है कि रोजमर्रा की छोटी और लापरवाही भरी आदतें जैसे रात में कुछ चबाते हुए सोना गंभीर बीमारी का कारण बन सकती हैं। फेफड़ों में फंसी बाहरी वस्तु लंबे समय तक बिना साफ लक्षण के संक्रमण फैलाती रहती है और इलाज केवल दवाओं तक सीमित रह जाता है। समय पर सही जांच और इलाज से न सिर्फ बीमारी की असली वजह भी सामने आई, बल्कि मरीज की जान बची। इसलिए बार-बार होने वाली खांसी या संक्रमण के पीछे छिपे कारणों की गहराई से जांच जरूरी है।

संपादकीय

दोस्ती अखबार से

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे-धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की-बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं। गंभीर स्थिति यह है कि एक चौथाई बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच है। ऐसे वक्त में जब आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को रोका गया है, भारत में दस साल से कम उम्र के बच्चों तक के सोशल मीडिया अकाउंट बने हुए हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि मॉर्निंग असेंबली के दौरान बच्चों को अंग्रेजी व हिंदी के समाचार पत्र पढ़ने को दिए जाएंगे। ये निर्णय सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों के लिये है, लेकिन यदि निजी स्कूल भी चाहें तो वे भी ऐसा निर्णय ले सकते हैं। निस्संदेह, बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से अलग भी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। तमाम सर्वे बता रहे हैं कि आज भी अखबार भरोसेमंद सूचना माध्यम हैं। कई चरणों में संपादकीय मंडल खबरों को सुरक्षित तरीके से जांच कर प्रकाशित करता है। यूं तो कथित सोशल मीडिया पर सूचनाओं का अंबार लगा है, लेकिन संपादक नामक संस्था के न होने से उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक सूचनाएं लगातार प्रसारित करते रहते हैं। निस्संदेह, बच्चे जब अखबार पढ़ेंगे तो अखबारों के संपादकीय व लेख पढ़कर वे अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे। साथ ही उनकी भाषा समृद्ध होगी। आजकल के छात्रों के सबसे कम नंबर मातृभाषा में ही आते हैं। संकट यह भी है कि आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की मासूमियत छीन रहे हैं और उन्हें समय से पहले वयस्क बना रहे हैं। शिक्षकों की उपस्थिति में अखबारों के जरिये मिलने वाली प्रामाणिक जानकारी उनकी सकारात्मक सोच को विकसित करेगी। बच्चों की पढ़ने की यह आदत तब और विकसित होगी, जब अभिभावक भी बच्चों को घर में पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करेंगे। यहां यह भी जरूरी है कि बच्चों के लिये स्कूलों में शुरू हुआ यह अभियान निरंतरता के साथ चलता रहे।

तिनका-तिनका मुहिम से जेलों में बड़े बदलाव

पंजाब-हरियाणा से अपनी सृजन यात्रा की शुरूआत करके देश की राजधानी को अपनी कर्मस्थली बनाकर अपराध की पत्रकारिता का नया मुहावरा गढ़ने वाली वर्तिका नंदा ने जेल में बंदियों के जीवन में भी रेडियो पत्रकारिता का अभिनव प्रयोग किया है। उनके द्वारा तिहाड़ जेल से शुरू हुई कोशिश जेल का रेडियो के जरिये कैदियों के जीवन में इंद्रधनुषी छटा बिखेरने की मुहिम, आज हरियाणा की दो तिहाई जेलों, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश तक जा पहुंची है। कैदियों की शिक्षा और उनकी रचनात्मक प्रतिभा उकेरने में इस बड़ी बदलावकारी भूमिका रही है। हमारे परिवेश व सामाजिक वातावरण का कितना गहरा व नकारात्मक असर बालमन पर पड़ता है, वर्तिका नंदा जैसी संवेदनशील साहित्य की रचनाकार का अपराध की पत्रकारिता की ओर उन्मुख होना उसकी बानगी है। पंजाब के काले दौर ने उसके अंतर्मन को गहरे तक उद्वेलित किया।

कानून की व्यवस्था और उसे तोड़ने के बीच में जो महीन रेखा होती है, देश-काल-परिस्थिति और आवेश में वह कब टूट जाती है, कहना कठिन है। कानून-कचहरी और अंधेरी जेल का त्रास। कुछ दबंगों और धनाढ्यों की साजिशों का शिकार बनते हैं। लेकिन हर कैदी में सुप्त-जाग्रत संवेदनाओं का स्रोत होता है। बंदियों के जीवन के उज्ज्वल व रचनात्मक पक्ष को उकेरने की मुहिम की अग्रदूत हैं वर्तिका नंदा। उनके ऋषिकर्म पर एक नजर। भारतीय समाज में एक सभ्य व्यक्ति जिस जेल को देखने जाने से भी कतराता है, वहां के बंदियों का जीवन सुधारने की पहल एक स्त्री करे, तो निश्चय ही अचरज होता है। पंजाब-हरियाणा से अपनी सृजन यात्रा की शुरूआत करके देश की राजधानी को अपनी कर्मस्थली बनाकर अपराध की पत्रकारिता का नया मुहावरा गढ़ने वाली वर्तिका नंदा ने जेल में बंदियों के जीवन में भी रेडियो पत्रकारिता का अभिनव प्रयोग किया है। उनके द्वारा तिहाड़ जेल से शुरू हुई कोशिश जेल का रेडियो के जरिये कैदियों के जीवन में इंद्रधनुषी छटा बिखेरने की मुहिम, आज हरियाणा की दो तिहाई जेलों, उत्तरप्रदेश व मध्य प्रदेश तक जा पहुंची है। कैदियों की शिक्षा और उनकी रचनात्मक प्रतिभा उकेरने में इस बड़ी बदलावकारी भूमिका रही है। हमारे परिवेश व सामाजिक वातावरण का कितना गहरा व नकारात्मक असर बालमन पर पड़ता है, वर्तिका नंदा जैसी संवेदनशील साहित्य की रचनाकार का अपराध की पत्रकारिता की ओर उन्मुख होना उसकी बानगी है। पंजाब के काले दौर ने उसके अंतर्मन को गहरे तक उद्वेलित किया। एक बार वह स्कूल की पढ़ाई के दौरान जालंधर दूरदर्शन से कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग करके घर लौट रही थी कि निर्धारित ट्रेन छूट गई। फिर साढ़े चार बजे की ट्रेन से पठानकोट लौट रही वर्तिका जब अपनी मां के साथ टांडा स्टेशन के समीप पहुंची तो ट्रेन अचानक धीमी हुई। तभी शोर मचा तो पता चला कि रास्ते में आतंकवादियों द्वारा एक बस को रोककर एक संप्रदाय विशेष के लोगों को उतारा गया है। फिर लगातार गोलियों की आवाजें सुनायी

दीं। पता चला कि उन बस यात्रियों को आतंकवादियों ने मार दिया था। इस घटना से उसे आतंकित कर दिया। उन दिनों वह अपने कैरियर और शौक पर ध्यान दे रही थी, लेकिन सुलगते माहौल ने जीवन के संकट का प्रश्न पैदा कर दिया। तब गहरा डर व खौफ का वातावरण था। हर रोज भयावह वारदातें सुनने को मिलती। हर दिन ऐसे लगता कि आज दुनिया में आखिरी ही दिन है। फिर रेलवे इंजीनियर पिता के अंबाला तबादला होने के बाद वर्तिका ने जनसंचार संस्थान दिल्ली में प्रवेश परीक्षा में भाग लिया और टॉप किया। इसी दौरान दैनिक ट्रिब्यून द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता में वर्तिका ने प्रथम पुरस्कार जीता। यह तय हुआ कि उसका भाग्य अब पत्रकारिता में निर्धारित होगा। लेकिन इसी दौरान अवचेतन में पंजाब की हिंसा के जख्म और महानगरों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों ने अंतर्मन को गहरे तक झिंझोड़ा। कालांतर इस भय को किनारे करके वर्तिका ने हिंसा की डार्क साइड का सच तलाशना चाहा। आखिरकार अपराध की पत्रकारिता को अपना मुख्य विषय बनाने का फैसला कर लिया।

अंबाला से निकलकर जीवन में बड़ा बदलावा आया। वहां बड़े घर के सामने सितारों भरे आसमान में अपने सितारों को तलाशती थी। दिल्ली में आकर इन सितारों की तलाश शुरू हुई। बदलते हालात ने ख्यालों को बहुत बदला। लेकिन सोचा था कि कुछ ऐसा जरूर करूंगी, जो किसी के काम आ सकूं। ईमानदारी की पत्रकारिता करूंगी। यह भी कि आर्थिक दबाव विचलित न कर सकें। कदम न डगमगा सकें। जीटीवी, एनडीटीवी व लोकसभा टीवी से शुरू हुई यात्रा निरंतर आगे बढ़ती गई। इस दौरान अपराधियों को देखा। फिर अध्यापन का मन हुआ और जनसंचार संस्थान में सहायक प्रोफेसर हुई। यह सुखद ही था कि जहां पढ़ी थी वहीं पढ़ाने का अवसर मिला। दरअसल, उन्होंने उन अंधेरे कोनों में रोशनी की संभावना को तलाशने का प्रयास किया जहां कोई ध्यान नहीं देता। विडंबना यह भी है कि मीडिया में भी सुर्खियों के सरताज बनने की होड़ में अपराध पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं किया जाता। प्रिंट मीडिया में बाइलाइन और इलेक्ट्रानिक मीडिया में टीआरपी की चाह पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने से गुरेज नहीं करती। वर्तिका का मानना रहा है कि पीड़ितों की रिपोर्टिंग में बेहद संवेदनशीलता की जरूरत होती है। तिनका-तिनका जोड़कर बनाए घोसले के बिखरने की टीस उसे बनाने वाला ही जान सकता है। समय के साथ ऐसी सोच बन गई है कि जहां आर्थिक लाभ न हो, उन क्षेत्रों को अछूता छोड़ दिया जाए। यह भी कि हमें इससे क्या मिलेगा। निस्वार्थ भाव से चलाए जाने वाले अभियानों में कम ही लोग जुड़ते हैं। मेरे परिवार के संस्कार मिले कि पैसा जीवन की प्राथमिकता न हो। वो काम करो जो दूसरों के काम आए। किसी भी काम को करने में हमारी मानसिक संतुष्टि जरूरी है। यह बात हमेशा अखरती रही है कि अपराध की शिकार हुई महिलाओं को लेकर मीडिया में अपेक्षित संवेदनशीलता नजर नहीं आती। यही वजह है कि वर्तिका ने बलात्कार पीड़ित महिलाओं पर मीडिया रिपोर्टिंग विषय पर पीएचडी पूरी की। उन्हें यह बात परेशान करती है कि मीडिया में सुर्खियां ऐसे विषयों को बनाया जाता है कि जो सनसनी बना सकें। मसाले को तरजीह दी जाती है। ऐसी खबरें जो अपवाद हो सकता है लेकिन पूरे समाज का सच नहीं होता। बहरहाल, इन सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में वर्तिका को अपने उपन्यास को मूर्त रूप देने में तीन दशक से अधिक समय लग गया। जिसकी विषय वस्तु जेल में महिलाओं की जेल की परिस्थितियां हैं, जिसमें समय का यथार्थ है, लेकिन कल्पना की गुंजाइश कम है। बहरहाल, एक पत्रकार, एक शिक्षक व एक जेल सुधारक के रूप में सोच बदलने की उनकी मुहिम निरंतर जारी है। उनका मानना है कि जीवन के संकट व विषम परिस्थितियां हमें न केवल मजबूत बनाती हैं बल्कि जीवन को देखने का नया नजरिया भी देती हैं। निश्चित रूप से दुनिया के सभ्य समाजों में जब पहली जेल बनी होगी तो उसका मकसद समाज में भटके लोगों के जीवन में सुधार ही रहा होगा। जन्म से कोई व्यक्ति अपराधी नहीं होता। हालात व तात्कालिक प्रतिक्रिया ही व्यक्ति को कानून व अपराध की झीनी लाइन तोड़ने को बाध्य करती है। इन कैदियों के जीवन में इंद्रधनुषी रंग भरने के लिये वर्तिका ने तिनका-तिनका मुहिम दिल्ली की तिहाड़ जेल से शुरू की। जेलों में सजा काट रहे कैदियों को शिक्षा से जोड़ने और उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिये शुरू किये गए जेल का रेडियो अभियान को सकारात्मक प्रतिसाद मिला। खासकर कोरोना संकट में जब कैदियों के परिजन भी उनसे मिलने जेल नहीं आते थे, तो जेल का रेडियो कैदियों को पूरी दुनिया से जोड़े रखता था। कोरोना काल में इस रेडियो की भूमिका को तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने ट्वीट करके सुर्खियों में ला दिया था। वर्तिका के प्रयासों की स्वीकार्यता ही है कि वर्ष 2018 में जस्टिस एमबी लोकुर और जस्टिस दीपक गुप्ता की बैंच ने जेलों में महिलाओं और बच्चों की स्थिति की आकलन प्रक्रिया में उन्हें शामिल किया। वर्ष 2020 में आईसीएसएसआर के लिये भारतीय जेलों में संचार की जरूरतों के लिये किए गए उनके शोध को उत्कृष्ट माना गया। कालांतर उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें स्त्री शक्ति सम्मान से विभूषित किया।

भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप का टैरिफ

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्राय: बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रेम शर्मा

हाँ, अमेरिका ने 27 अगस्त 2025 से भारत के कई निर्यात उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया था, जिसका मुख्य कारण भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना था, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने बाजार विविधीकरण और उत्पादों में विविधता लाकर इस झटके का सामना किया और निर्यात को बनाए रखा, जिससे 2026 में भी निर्यात में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर लगभग 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया. उसके बाद भी भारत के एक्सपोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को पानी पानी पिला दिया और भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को डायवर्सिफाई करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा. जानकारों का कहना है कि ट्रंप के टैरिफ से भारत को जितने नुकसान होने की संभावना थी वो नहीं हुआ है. इसके विपरीत तेजी देखने को मिली है. जिसका प्रमुख कारण भारत की लंबे समय से की जा रही तैयारी और दुनिया के दूसरे बाजारों में भारत की एक्सेप्टेंस है। इसी से इस बॉत का अनुमान है कि भारत के निर्यात में 2026 में मजबूत वृद्धि होने की पूरी संभावना है। ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ नए व्यापार समझौतों से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025 लगभग बीत रहा है ऐसे में अमेरिकी टैरिफ के बावजूद, 2025 में अमेरिका को निर्यात में भारी वृद्धि हुई। जो भारत की कूटनीति और व्यापार नीति का प्रमाण कही जा सकती है। खास तौर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर्स में यह वृद्धि सबसे अधिक रही। यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है. व्यापार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के शब्दों में, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है. इसी सिद्धांत के साथ भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। ज्ञात हो कि 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस तारीख के बाद बहुत से देशों के अमेरिका से संबंध खराब होना शुरू हो गए थे। उनमें से एक भारत भी था। सत्ता में आते ही ट्रंप के तेवर पहले ही दिन से पूरी दुनिया को समझ में आ गए थे। टैरिफ की रट लगाने वाले ट्रंप आज इस मुद्दे पर बहुत कम ही बोलते हैं। वह चौतरफा घिर चुके हैं। भारत ने उनके टैरिफ का मुंहतोड़ जवाब दिया। अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट के नुकसान की भरपाई करने और साथ ही भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए, भारत ज्यादा से ज्यादा ट्रेडिंग पार्टनर्स की तलाश कर रहा है। 2025 में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किए। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन और आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में साइन किया गया था। यह आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2025 को चार सदस्य देशोंरू आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ लागू हुआ। यही नही भारत रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक पार्टनरशिप और चीन के साथ हाल ही में बेहतर हुए संबंधों का भी फायदा उठा रहा है ताकि एक्सपोर्ट के मौके तलाशे जा सकें और इन्वेस्टमेंट आकर्षित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफ के नेगेटिव असर का मुकाबला करने के लिए भारत की रणनीति ने महत्वपूर्ण गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स सुधारों के जरिए अपनी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी और लंबे समय तक गिरावट देखी गई। रुपया लगातार नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचता रहा। यह करेंसी, जो साल की शुरूआत में लगभग 85.64 प्रति डॉलर पर थी, दिसंबर की शुरूआत में मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 90 के निशान को पार कर गई और दिसंबर के मध्य तक छ91 के निशान को भी पार कर गई। सरकार ने इसे जानबूझकर नहीं रोका। लेकिन जब लगा रोकना जरूर तो भारतीय रिजर्व बैंक ने इसमें दखल दिया। विशेषज्ञों की माने तो कमजोर रुपया चुपचाप भारत की एक्सपोर्ट कमाई को बढ़ाता है। यह बात अब और भी मायने रखती है, क्योंकि ज्यादा टैरिफ और राजनीतिक तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड मुश्किल होता जा रहा है।

राहुल-खड़गे को सावधान होने की जरूरत

जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है।स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं, कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है।इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है ।

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने 28 दिसंबर को अपनी स्थापना के 140 साल पूरे किए। एक संगठन, एक राजनैतिक दल के तौर पर तमाम उतार-चढ़ावों के बीच इतना लंबा सफर तय करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। जिसमें वक्त के अनुसार तरीके बदलते रहे। कांग्रेस के भीतर अलग विचारधाराएं पनपीं, जिनके कारण कई बार पार्टी में टूट हुई। कांग्रेस से निकले लोगों ने अपने नए दल बनाए, कभी उन दलों का कांग्रेस में विलय हुआ, कभी वे साथ चलते रहे। कांग्रेस ने कई बार भितरघात भी सहे। लेकिन इन सबके बीच कभी भी अपनी मूल विचारधारा को नहीं छोड़ा, जो असल में भारत की उदार और समावेशी संस्कृति से निकली है। जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है।स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं, कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है।इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है कि सत्ता रहे न रहे लेकिन रीढ़ सीधी होनी चाहिए यानी आत्मसम्मान बना रहना चाहिए, जिसमें कांग्रेस अब तक सफल रही है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 27 दिसंबर को लालकृष्ण आडवानी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ की, कि जमीन पर बैठने वाला एक कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन गया। इस तस्वीर में आडवानी सोफे पर बैठे हैं और नरेन्द्र मोदी जमीन पर।दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर सवाल उठने लगे कि क्या श्री सिंह अब भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं या ये राज्यसभा में फिर से आने की भूमिका बांधी गई है। दिग्विजय सिंह ने क्या राहुल गांधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के रसूख पर हमला बोला है, ये कयास भी लगे। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन किया है और कहा जी हां मैं भी यही चाहता हूं कि पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएश्श। हमारा 140 साल का इतिहास है, और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। सब जानते हैं कि कांग्रेस में जहां अध्यक्ष का बाकायदा चुनाव होता है, वहीं भाजपा में अंदरूनी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। वहां पहले से टू मच डेमोक्रेसी की पहचान करते हुए एक किस्म की तानाशाही बनी हुई है। पार्टी का संविधान कुछ भी कहे, भाजपा में आज की तारीख में वही होता है, जो नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तय करते हैं। चाहे दिग्गज नेताओं को एक झटके में किनारे करते हुए कम पहचाने चेहरों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाना हो या जब मन चाहे मुख्यमंत्री समेत पूरी केबिनेट बदलना हो या रातों रात किसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना हो और अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म होने के बावजूद उसे एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन देना हो, मोदी-शाह की जोड़ी ही सारे फैसले लेती है और इसमें किसी जमीन पर बैठने वाले कार्यकर्ता की बात तो दूर, कई सालों से सांसद और विधायक बनने वाले वरिष्ठ नेता भी हूं चूं नहीं कर पाते। जिन लालकृष्ण आडवानी के सामने नरेन्द्र मोदी जमीन पर बैठे थे, उन्हीं आडवानी को कैसे कई मौकों पर मोदी ने बेइज्जत किया है, ये भी दिग्विजय सिंह और शशि थरूर ने देखा ही है। फिर भी उन्हें भाजपा और संघ से प्रेरित होना हो, तो इसमें अब मल्लिकार्जुन

खड़गे और राहुल गांधी को सावधान होने की जरूरत है। भाजपा तो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात कहती आई। उसमें सफल नहीं हो पाई तो कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाकर उसके कई नेताओं को भगवा गमछा ओढ़ा दिया। राहुल गांधी ने तब भी कहा कि अच्छा है हमारे यहां सफाई हो गई। अभी लोकसभा हारने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार भी कांग्रेस हारी, लेकिन फिर भी उतने ही दम से कांग्रेस भाजपा को मनरेगा खत्म करने से लेकर अरावली में खनन और एसआईआर की गड़बड़ियों पर चुनौती दे रही है। 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की जमीनी ताकत भाजपा ने देखी है और अब 5 जनवरी से मनरेगा बचाने के लिए फिर से कांग्रेस आंदोलन की शुरूआत कर रही है। इन सबसे भाजपा को यह समझ आ रहा है कि कांग्रेस को दबाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी है।

कोच गंभीर को मिला बीसीसीआई का समर्थन सैकिया के बाद राजीव शुक्ला ने भी अटकलों पर विराम लगाया

नई दिल्ली। गौतम गंभीर को टेस्ट टीम के कोच पद से हटाने की अटकलों को लेकर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान आया है। शुक्ला ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन रिपोर्ट्स को खारिज किया है जिसमें दावा किया गया था कि मुख्य कोच गौतम गंभीर की कुर्सी टेस्ट प्रारूप में खतरे हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थी कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हार के बाद बोर्ड के एक अधिकारी ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम का कोच बनने पर बात की थी। हालांकि, बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को बेबुनियाद बताया था और अब राजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड ऐसा कोई फैसला नहीं लेने जा रहा है। लक्ष्मण से अनौपचारिक बात होने का किया गया था दावा गंभीर का सीमित ओवर में अच्छा रिकॉर्ड है

व्हाट्सऐप पर कृति खरबंदा के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर हुई लोगों को ठगने की कोशिश

एक्ट्रेस ने फैंस को किया सतर्क

पिछले काफी समय से देखने में आया है कि सेलिब्रिटीज और सार्वजनिक हस्तियों के नाम पर ऑनलाइन ठगी और झूठी पहचान का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक फिल्म इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेस ठगी का शिकार होते होते बची हैं। वहीं, अब हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी मामले को लेकर अपने फैंस और फॉलोअर्स को सतर्क किया है। कृति खरबंदा ने खुलासा किया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति व्हाट्सऐप पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क कर रहा है। कृति खरबंदा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर संदिग्ध व्हाट्सऐप चौट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए साफ किया कि वह नंबर उनका नहीं है। इसके साथ उन्होंने लिखा, ॒यह ठीक नहीं है। यह नहीं है। यह मेरा नंबर नहीं

बिल्कुल भी सही है। किसी और की पहचान बनकर सामने आना साफ तौर पर पहचान की चोरी है। सतर्क रहें। हालांकि कृति खरबंदा ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस मामले में उन्होंने कोई शिकायत दर्ज कराई गई है या नहीं, लेकिन उन्होंने अपने फैंस को जरूर सतर्क कर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें जानकारी देने के लिए धन्यवाद कर रहे हैं। वहीं, कइयों ने तो ऑनलाइन ठगी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। बता दें, बॉलीवुड और कन्नड़ सिनेमा में अपने काम से पहचान बना चुकीं कृति खरबंदा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ खुद से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं।

राजेश खन्ना की 83वीं बर्थ एनिवर्सरी पर जैकी श्रॉफ ने दी श्रद्धांजलि

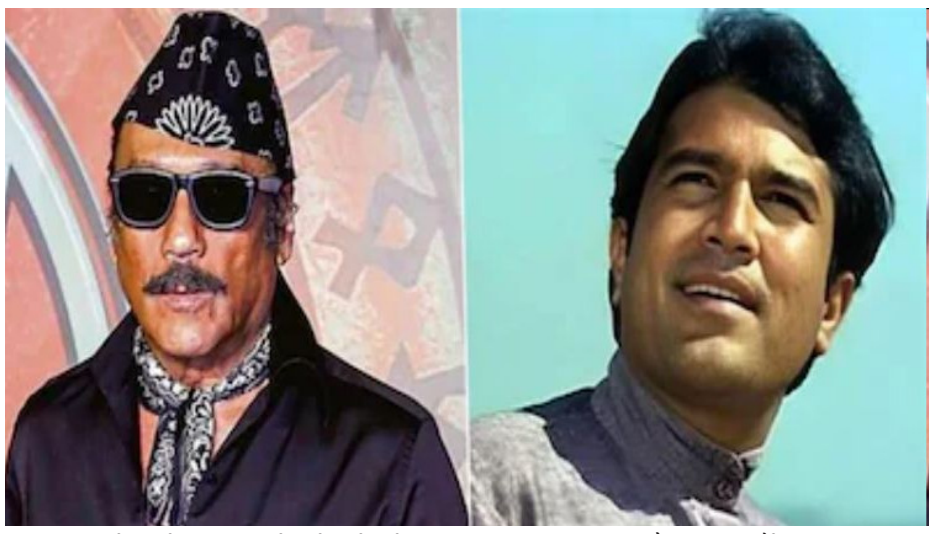

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले राजेश खन्ना की आज 83वीं जयंती है। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सितारे और फैंस सोशल मीडिया के जरिए उन्हें याद करते और श्रद्धांजलि देते नजर आ रहे हैं। इसी बीच इंडस्ट्री के जग्गू दा यानी एक्टर जैकी श्रॉफ ने भी राजेश खन्ना को श्रद्धांजलि दी और उनके साथ जुड़ी यादों को शेयर किया है। जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजेश खन्ना की एक तस्वीर के साथ एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो के बैकग्राउंड में सुपरहिट गीत चला जाता हूं३ सुनाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि वह राजेश खन्ना को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद कर रहे हैं। उनका यह पोस्ट देखते ही देखते फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। राजेश खन्ना का नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। साल 1969 से 1972 के बीच उन्होंने लगातार 15 सुपरहिट फिल्में देकर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसे आज भी कोई नहीं तोड़ पाया है। आराधना, आनंद, अमर प्रेम, हाथी मेरे साथी जैसी फिल्मों ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। इसी दौर में उन्हें भारत का पहला सुपरस्टार कहा जाने लगा। राजेश खन्ना का जन्म 29 दिसंबर 1942 को जतिन खन्ना के रूप में हुआ था। बाद में उन्हें गोद ले लिया गया। बचपन से ही उनका झुकाव अभिनय की ओर था और स्कूल के दिनों में उन्होंने कई नाटकों में हिस्सा लिया। जब उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने का फैसला किया, तो उनके चाचा ने उनका नाम बदलकर राजेश खन्ना रख दिया। फिल्मी करियर की शुरूआत में राजेश खन्ना ने बहारों के सपने, औरत, डोली और इत्तेफाक जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, साल 1969 में शर्मिला टैगोर के साथ आई फिल्म आराधना ने उनकी किस्मत बदल दी और वह रातों-रात सुपरस्टार बन गए। राजेश खन्ना का निधन साल 2012 में 69 वर्ष की उम्र में मुंबई में हुआ, लेकिन उनकी फिल्मों और किरदारों की चमक आज भी कायम है। वहीं, जैकी श्रॉफ के काम की बात करें तो एक्टर को हाल ही में फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में देखा गया है, जिसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसे समीर विद्वांस ने निर्देशित किया है।

सलमान खान के बैटल ऑफ गलवान टीजर के दिल जीतने की 5 वजहें

सलमान खान ने अपने जन्मदिन पर बैटल ऑफ गलवान का टीजर रिलीज किया, लेकिन यह सिर्फ जश्न का पल नहीं था। दर्शकों को जो मिला, वह भारत के सीमाओं पर तैनात जवानों और उनके अटूट हौसले को समर्पित एक भावुक और असरदार सलाम था। यह टीजर सादगी, सच्चाई और मजबूती से भरा हुआ है, जो इसे आम वॉर फिल्मों से अलग बनाता है। आइए जानते हैं वे 5 वजहें, जिनकी वजह से यह टीजर खास बन जाता है।

1. भारतीय सेना की वर्दी में सलमान खान बेहद प्रभावशाली लगते हैं

भारतीय सेना की वर्दी में सलमान खान को देखते ही सम्मान का भाव आता है। उनका सादा लेकिन अनुभवी लुक, शांत हाव-भाव और संयमित गुस्सा यह दिखाता है कि उनका किरदार अनुभव से निकला हुआ एक सच्चा सिपाही है, न कि सिर्फ दिखावे वाला हीरो। यह उनके अब तक के सबसे गंभीर और दमदार किरदारों में से एक लगता है।

2. पीछे मुड़कर देखने वाला सीन रोंगटे खड़े कर देता है

टीजर का सबसे असरदार पल वह है, जब सलमान खान पीछे मुड़कर कैमरे की ओर देखते हैं। न कोई डायलॉग, न कोई बड़ा ड्रामाकृबस एक तीखी और अडिग नजर। उस एक नजर में गुस्सा, हिम्मत और बलिदान सब कुछ झलकता है, जो लंबे समय तक याद रह जाता है।

3. आखिरी डायलॉग दिल में उतर जाता है

टीजर का अंत शोर-शराबे के बजाय गहरी शांति और गंभीरता के साथ होता है। सलमान खान का डायलॉग, ॒मौत से क्या डरना, बहुत सादगी से कहा गया है, लेकिन उसका असर बेहद गहरा है। यह लाइन जवानों की निडरता और साहस को बखूबी दिखाती है।

4. सच्चे और कच्चे विजुअल्स टीजर को वास्तविक बनाते हैं

टीजर में दिखाए गए दृश्य बेहद रॉ और असली लगते हैं। ऊँचाई वाले इलाकों की कठिन परिस्थितियाँ और कठोर जमीन बिना किसी सजावट के दिखाई गई हैं। यह दर्शकों को जंग की सच्चाई और उसकी कीमत का एहसास कराता है। साथ ही यह भारत के उस क्षेत्र की खूबसूरती भी दिखाता है।

5. कहानी को दबाए बिना भावनाएँ जगाने वाला संगीत

स्टेबिन बेन की आवाज टीजर में भावनात्मक गहराई जोड़ती है, जबकि हिमेश रेशमिया का दमदार बैकग्राउंड स्कोर दृश्य की तीव्रता को और बढ़ाता है।

अनबन की चर्चाओं के बीच तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया पर लुटाया प्यार, साथ में साझा की तस्वीर

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया मौजूदा वक्त में बॉलीवुड के हॉट और सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। बीते दिनों एपी ढिल्लों के साथ एक वीडियो सामने आने के बाद फैंस दोनों के रिश्ते को लेकर चिंतित थे। लेकिन अब तारा ने वीर पर प्यार लुटाते हुए इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया। जानिए तारा ने ऐसा क्या किया अभिनेत्री तारा सुतारिया इन दिनों फिल्मों की बजाय अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट से वायरल हुए वीडियो के बाद, तारा और वीर पहाड़िया के रिश्ते को लेकर भी तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कॉन्सर्ट के दौरान वीर के सामने एपी ढिल्लों का तारा को किस करने और गले लगाने के बाद, सोशल मीडिया पर वीर का रिएक्शन वायरल था। जिसके बाद फैंस को उनके ब्रेकअप होने का डर सता रहा था। लेकिन अब तारा ने वीर पर प्यार लुटाते हुए इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। तारा ने शेयर की तस्वीर तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर अपने फ्रेंड ओरी द्वारा पोस्ट की गई एक सेल्फी कोलाज को री-शेयर किया है। यह तस्वीर किसी प्राइवेट पार्टी की मालूम पड़ती है। इसमें दो तस्वीरें हैं, पहली सेल्फी में ओरी वीर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में ओरी तारा सुतारिया के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। इन तस्वीरों वाली ओरी की पोस्ट को अपनी स्टोरीज पर रीपोस्ट करते हुए तारा ने प्यार भरे अंदाज में लिखा है, आह माय (मेरा) इसके साथ उन्होंने लाल दिल वाले इमोजी भी बनाए हैं। इसके जरिए उन्होंने वीर पहाड़िया पर जमकर प्यार लुटाया है। एपी ढिल्लों ने स्टेज पर तारा को किया था किस बीते दिनों तारा सुतारिया उस वक्त चर्चा में आ गई थीं जब एपी ढिल्लों के मुंबई में हुए कॉन्सर्ट से एक वीडियो सामने आया था। तारा और वीर कॉन्सर्ट में पहुंचे थे। वीडियो में दिखता है कि तारा वीर के साथ कॉन्सर्ट का आनंद ले रही हैं। तभी एपी ढिल्लों तारा को हाथ पकड़कर स्टेज पर ले जाते हैं। इसके बाद वो तारा को किस करते हैं और गले लगाते हैं। बाद में तारा और एपी क्लोज डांस भी करते हैं। इस दौरान वीडियो में वीर का रिएक्शन कैद हुआ था, जो काफी वायरल हो गया था। हालांकि, वीर गानों पर लिपसिंक भी कर रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दोनों के रिश्ते को लेकर भी तमाम तरह के कयास लगाए थे। आखिरी बार 2023 में अपूर्वा में नजर आई थीं तारा वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा सुतारिया आखिरी बार 2023 में आई फिल्म 'अपूर्वा' में नजर आई थीं। इसके बाद से वो बड़े पर्दे से दूर हैं। जबकि वीर पहाड़िया ने साल 2025 की शुरूआत में आई फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की है। इसक बाद उनके दूसरे प्रोजेक्ट को लेकर कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

अंधविश्वास और सच्चाई के टकराव की कहानी, बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है फिल्म सागवान

कुछ कहानियां किताबों में दर्ज नहीं होतीं, कुछ फाइलों में दबकर रह जाती हैं और कुछ समाज के डर, आस्था और सच्चाई के टकराव से जन्म लेती हैं। ऐसी ही एक कहानी अब सिनेमाघरों तक पहुंचने वाली है। फिल्म सागवान अंधविश्वास, भय और इंसानी सोच की गहराइयों को उजागर करती है। फिल्म सागवान किसी एक सच्ची घटना पर आधारित नहीं है, बल्कि उन तमाम अनुभवों से प्रेरित है जो अक्सर समाज के हाशिये पर दबा दिए जाते हैं। यह कहानी उन हालातों को सामने लाती है, जहां डर और अंधविश्वास इंसान को सही और गलत के फर्क से दूर कर देते हैं। फिल्म किसी धर्म, व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाए बिना समाज से एक अहम सवाल पूछती है- क्या हम आज भी अंधविश्वास के साए में जी रहे हैं? फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं पुलिस अधिकारी हिमांशु सिंह राजावत, जिन्होंने अभिनय के साथ-साथ फिल्म की कहानी, संवाद और निर्देशन की कमान भी संभाली है। उनके मुताबिक,॒यह फिल्म किसी एक केस की कहानी नहीं है, बल्कि एक पुलिस अफसर के पूरे करियर में देखे गए अनुभवों का सार है।इसी वजह से फिल्म का हर दृश्य सच्चाई के बेहद करीब महसूस होता है।सागवान यह दिखाती है कि कैसे डर, तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास इंसान को सच से दूर ले जाते हैं। फिल्म सवाल उठाती है कि क्या आस्था के नाम पर इंसानियत की बलि दी जा सकती है और क्या समय पर कानून हस्तक्षेप करे तो हालात बदले जा सकते हैं। फिल्म में हिमांशु सिंह राजावत के साथ सयाजी शिंदे, एहसान खान, मिलिंद गुणाजी और रश्मि मिश्रा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सभी कलाकारों ने अपने किरदारों को संवेदनशीलता और सच्चाई के साथ निभाया है, जिससे कहानी और भी प्रभावशाली बनती है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बुमराह-हार्दिक को मिल सकता है आराम

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए फिलहाल टीम का एलान नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम प्रबंधन इस सीरीज के लिए बुमराह और हार्दिक को आराम दे सकता है। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को आराम दे सकता है। भारतीय टीम के लिए 2026 का साल काफी व्यस्त है और इसे देखते हुए टीम प्रबंधन अपने खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट को प्राथमिकता दे रहा है। अगले साल की शुरूआत में टी20 विश्व कप भी होना है और इसे देखते हुए टीम प्रबंधन चाहता है कि सीमित ओवर प्रारूप के उसके दो सीनियर खिलाड़ी शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट रहें। टी20 प्रारूप को मिल रही प्राथमिकता बुमराह और हार्दिक न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का हिस्सा हैं। टीम प्रबंधन फिलहाल टी20 को प्राथमिकता दे रहा है क्योंकि सात फरवरी से टी20 विश्व कप की शुरूआत हो रही है जिसमें भारत अपने खिताब का बचाव करने उतरेगा।

ताइवान पर दबाव बनाने की तैयारी में चीन सीमा पर कर रहा सैन्य अभ्यास

हांगकांग। एक बार फिर चीन ताइवान को घरने के प्रयास में लग चुका है। इसके तहत ड्रैगन ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास 'जस्टिस मिशन 2025' शुरू किया है। इसमें वायुसेना, नौसेना और मिसाइल बल शामिल हैं। अभ्यास का मकसद समुद्र-हवा युद्ध की तैयारी, बंदरगाहों की घेराबंदी और दबाव बनाना बताया गया है। चीन और ताइवान के बीच सीमा विवाद दिन-प्रतिदिन और गहरा होता दिख रहा है। जहां अब चीन ने ताइवान को पूरी तरह से घेरने की योजना बनाई है। इसी क्रम में ड्रैगन ने सोमवार से ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू करने का एलान किया है। चीनी सेना ने बताया कि इस अभ्यास में वायुसेना, नौसेना और मिसाइल बल शामिल हैं। चीन ने इसे ताइवान की आजादी की मांग करने वाली ताकतों और बाहरी दखल के खिलाफ कड़ी चेतावनी बताया है। दूसरी ओर ताइवान ने भी चीन के इस कदम की कड़ी निंदा की है। चीनी सेना के मुताबिक, इस अभ्यास का नाम 'जस्टिस मिशन 2025' रखा गया है। यह अभ्यास ताइवान जलडमरूमध्य और द्वीप के उत्तर, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी इलाकों में किया जाएगा। इसमें समुद्र और हवा में युद्ध की तैयारी,

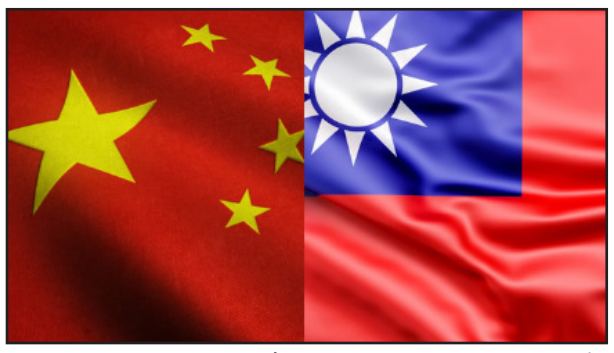

अहम बंदरगाहों की घेराबंदी और सैन्य दबाव बनाने जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। क्यों जरूरी है ये अभ्यास? चीन क्या बोला मामले में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने कहा कि यह अभ्यास चीन की संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने साफ कहा कि यह ताइवान को अलग देश बनाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ चेतावनी है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब चीन जापान के एक बयान से नाराज है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा था कि अगर चीन ताइवान के खिलाफ कोई कार्रवाई करता है, तो जापान की सेना भी इसमें शामिल हो सकती है। हालांकि, चीन ने अपने बयान में सीधे तौर पर जापान का नाम नहीं लिया। अमेरिका भी विवाद में शामिल, कैसे? पिछले हफ्ते चीन ने अमेरिका की 20 रक्षा कंपनियों और 10 अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए थे। यह कदम तब उठाया गया, जब अमेरिका ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियार बेचने की घोषणा की। अगर यह सौदा अमेरिकी संसद से पास हो जाता है, तो यह ताइवान को अब तक का सबसे बड़ा हथियार पैकेज होगा। इन सभी घटनाओं के बीच ताइवान को लेकर एशिया में तनाव बढ़ता नजर आ रहा है, और दुनिया की नजरें अब इस क्षेत्र पर टिकी हुई हैं। अब समझिए क्या है ताइवान का मामला? गौरतलब है कि ताइवान चीन के दक्षिण-पूर्वी तट के पास स्थित एक द्वीप है। 1949 में चीन के गृहयुद्ध के बाद ताइवान अलग हो गया था और तब से वह अपनी सरकार के साथ काम कर रहा है। लेकिन चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसे अपने नियंत्रण में लाना चाहता है। इसी क्रम में चीन लगातार सैन्य अभ्यास और सीमा पर सैनिकों की तैनाती कर अपना बल परीक्षण करता रहता है।

हादसे के तीन दिन बाद फुटबॉल कोच के परिवार की महिला का शव मिला

जकार्ता। इंडोनेशिया में हुए दर्दनाक नाव हादसे के तीन दिन बाद बचाव दल को समुद्र से एक महिला का शव मिला है। आशंका है कि यह शव स्पेनिश फुटबॉल कोच फर्नांडो मार्टिन के परिवार का है। हादसा कोमोडो नेशनल पार्क के पास हुआ था, जहां इंजन खराब होने से टूर बोट डूब गई थी। इंडोनेशिया में बीते शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे के तीन बाद राहत और बचाव दल को एक महिला का शव मिला है। आशंका इस बात की तेज है कि यह शव स्पेन के फुटबॉल कोच फर्नांडो मार्टिन के परिवार की महिला सदस्य का है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो सोमवार सुबह बचाव दल को यह शव सेराई द्वीप के पास समुद्र में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले शव को देखा और इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद शव को पहचान के लिए लाबुआन बाजो के अस्पताल भेजा गया। बता दें कि यह हादसा शुक्रवार शाम को कोमोडो नेशनल पार्क के पास हुआ। जब नाव में स्पेन के फुटबॉल क्लब वेलेंसिया सीएफ की महिला टीम के कोच फर्नांडो मार्टिन, उनकी पत्नी, चार बच्चे, नाव के चार कर्मचारी और एक स्थानीय गाइड सवार थे। बताया गया है कि नाव का इंजन खराब हो गया था, जिसके बाद वह डूब गई। हादसे के बाद पत्नी और छोटी बेटी को बचाया गया जानकारी के अनुसार हादसे के कुछ घंटों बाद मार्टिन की पत्नी एंड्रिया, उनकी सबसे छोटी बेटी मार और नाव के सभी कर्मचारी सुरक्षित बचा लिए गए थे। लेकिन फर्नांडो मार्टिन और उनके तीन बच्चे दो बेटे और एक बेटी लापता हो गए थे। बच्चों की उम्र 9, 10 और 12 साल बताई गई है। लापता लोगों की तलाश अभी भी जारी मामले में बचाव अधिकारियों के मुताबिक, मार्टिन की पत्नी और

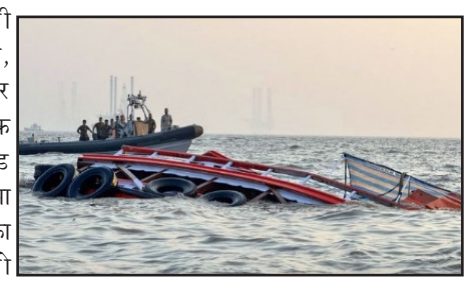

बेटी पूरी तरह सुरक्षित हैं। हादसे की वजह की जांच की जा रही है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश जारी है। करीब 100 बचावकर्मी, नौसेना, पुलिस, गोताखोर और स्थानीय मछुआरे इस अभियान में शामिल हैं। तलाश का दायरा भी पहले से दोगुना कर दिया गया है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति वर्षों बाद राष्ट्रपति भवन पहुंचे

सियोल। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के कार्यकाल में बेसहारा छोड़ दिया गया राष्ट्रपति भवन ब्लू हाउस एक बार फिर से आबाद हो गया और मौजूदा राष्ट्रपति ने आधिकारिक राष्ट्रपति भवन में शिफ्ट करने का फैसला किया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को आधिकारिक राष्ट्रपति भवन चोंग वा डे पहुंचे, जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह ली जे म्युंग का पहला राष्ट्रपति भवन का दौरा था। यह राष्ट्रपति भवन बीते तीन वर्षों से खाली पड़ा है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय परिसर में स्थानांतरित कर दिया था। ऐतिहासिक है दक्षिण कोरिया का ब्लू हाउस दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास की इमारत बेहद ऐतिहासिक है और इसे ब्लू हाउस कहा जाता है।

9 मई 2022 के बाद पहली बार कोई दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ब्लू हाउस गया है। 9 मई 2022 को तत्कालीन राष्ट्रपति मून जे इन के कार्यकाल का आखिरी दिन था। उनके बाद राष्ट्रपति बने यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय की इमारत में शिफ्ट कर दिया था। दिसंबर 2024 में यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लगाने का आरोप लगा और उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। उसके बाद हुए चुनाव में ली जे म्युंग ने सत्ता संभाली। यून सुक योल ने रक्षा मंत्रालय में शिफ्ट कर दिया था राष्ट्रपति भवन ब्लू हाउस उत्तरी सियोल में शहर की भागदौड़ से दूर एक पहाड़ी के निचले इलाके में बना है। 62 एकड़ में फैली ये ऐतिहासिक इमारत ऐतिहासिक जियोंगबोकगुंग महल के पास स्थित है और दक्षिण कोरिया के जापान के शासन से आजाद होने के बाद से ही राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास रहा है। हालांकि यून सुक योल का मानना था कि राष्ट्रपति भवन लोगों की पहुंच से दूर है और ज्यादा लोकतांत्रिक होने का हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय परिसर में राष्ट्रपति भवन को स्थानांतरित कर दिया। इस काम में भारी-भरकम रकम खर्च हुई, जिसे लेकर यून की आलोचना भी हुई थी। यून ने ब्लू हाउस को संग्रहालय में तब्दील कर दिया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था।

हमले के बाद घबराया ऑस्ट्रेलिया का यहूदी समुदाय पीड़ित परिवारों ने पीएम से की बड़ी मांग

सिडनी। सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए नरसंहार का असर ऑस्ट्रेलिया के यहूदी समुदाय पर बहुत गहरा हुआ है। यही वजह है कि यहूदी समुदाय और पीड़ित परिवारों ने सरकार को खुला पत्र लिखकर यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ रही नफरत की व्यापक जांच कराने की मांग की है। बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में मशहूर बॉन्डी बीच पर हुए नरसंहार से वहां का यहूदी समुदाय डर गया है और उसमें एक अविश्वास का माहौल है। दरअसल बॉन्डी बीच गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिजनों ने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज को एक खुली चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में पीड़ित परिवारों ने बॉन्डी बीच गोलीबारी मामले में सख्त संघीय कार्रवाई की मांग की है और साथ ही ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते यहूदी विरोध के पीछे की वजह की जांच करने की भी मांग की है। यहूदी समुदाय ने की संघीय जांच की मांग बॉन्डी बीच पर बीती 14 दिसंबर को यहूदियों के त्योहार हनुक्का के दौरान दो लोगों ने गोलीबारी कर 15 लोगों की जान ले ली थी। आरोपियों कि पहचान साजिद अकरम और उसके बेटे 24 वर्षीय नवीद अकरम के रूप में हुई थी। हमले के दौरान साजिद मारा गया और नवीद घायल हो गया था। नवीद पर हत्या के 15 मामले दर्ज हुए हैं। यह बीते तीन दशकों में ऑस्ट्रेलिया में हुआ सबसे बड़ा हमला है और इसकी जांच न्यू साउथ वेल्स राज्य का रॉयल कमीशन कर रहा है, जो काफी ताकतवर माना जाता है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का यहूदी समुदाय इससे संतुष्ट नहीं है और उन्होंने संघीय जांच की मांग की है। साथ ही इस्त्राइल हमास युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया में यहूदियों के खिलाफ नफरत बढ़ने की भी व्यापक जांच की मांग की। पीड़ित परिजन बोले- ये एक राज्य का मसला नहीं राष्ट्रीय संकट पीड़ित परिवारों का कहना है कि इस मामले की सिर्फ जांच ही काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि यहूदियों के खिलाफ नफरत सिर्फ एक राज्य का मामला नहीं है बल्कि यह एक राष्ट्रीय संकट है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वहीं बॉन्डी बीच गोलीबारी में एक हमलावर से बंदूक छीनने वाला सीरियाई मूल का अहमद अल अहमद हीरो बन गया है और पूरा देश उसकी हिम्मत की दाद दे रहा है। फंडिंग के जरिए दुनियाभर से अहमद अल अहमद को लाखों डॉलर की वित्तीय मदद मिल चुकी है।

चिनाब परियोजना पर बौखलाया पड़ोसी देश

इस्लामाबाद। विशेषज्ञों की समिति की ओर से चिनाब नदी पर भारत की जलविद्युत परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। उनकी एक सांसद शेरी रहमान ने भारत पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया। भारत ने पहलगाम हमले के बाद सख्त कदम उठाते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित

कर दिया था। आतंकवादियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान अब बूंद-बूंद पानी को तरसने लगा है। पाकिस्तान की एक सांसद सोमवार को भारत पर पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के संबंधों में तनाव को और बढ़ा सकता है। यह टिप्पणी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सांसद शेरी रहमान ने की। उन्होंने यह बयान तब दिया, जब भारत में पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने चिनाब नदी पर जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दी। इससे पहले, अप्रैल में पहलगाम में हुए खौफनाक आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित कर दिया था। पाकिस्तानी सांसद ने क्या आरोप लगाया? रहमान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती चरण-क्कजलविद्युत परियोजना को हरित पैनल ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने इसे सिंधु जल संधि का उल्लंघन करार दिया और कहा कि पानी को हथियार बनाना न तो समझदारी है और न ही स्वीकार्य है। खासकर यह क्षेत्र पहले से ही जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणी दबाव में है। यह पहले से ही शत्रुता और अविश्वास से भरे द्विपक्षीय संबंधों में तनाव बढ़ाएगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने उठाए सख्त कदम भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए, जिसमें 1960 के पुराने सिंधु जल समझौते को निलंबित करना शामिल था। विश्व बैंक की मध्यस्थता में तैयार किया गया यह समझौता 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करता रहा है। विशेषज्ञ समिति ने परियोजना को दी मंजूरी जलविद्युत परियोजनाओं की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने इस महीने अपनी 45वीं बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दे दी। अब इसके निर्माण के लिए निविदाओं की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,200 करोड़ रुपये से अधिक है। पैनल ने कहा कि चिनाब बेसिन का पानी भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि के नियमों के अनुसार बांटा जाता है और इस परियोजना के नियम और योजनाएं इसी समझौते के अनुसार बनाई गई हैं। हालांकि, सिंधु जल समझौता 23 अप्रैल, 2025 से निलंबित है। जब सिंधु जल संधि लागू थी, तब पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर अधिकार था, जबकि भारत को रावी, ब्यास और सतलज पर अधिकार था।

तालिबान और पाकिस्तानी उलेमाओं का मेल जोल कैसे शहबाज-मुनीर के लिए बन गया सिर दर्द

काबुल। पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव के बीच तालिबानी गृहमंत्री ने पाकिस्तानी पार्टी खवक-ऋकी खुलकर तारीफ की है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई और शरणार्थियों की नीति पर सवाल उठाए। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या पाकिस्तानी उलेमा अब शहबाज और मुनीर के खिलाफ हो रहे है? पाकिस्तान और अफगा निस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अफगानिस्तान के अंतरिम तालिबानी शासन के गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी का बड़ा बयान सामने आया है। रविवार को काबुल में एक कार्यक्रम के दौरान हक्कानी ने पाकिस्तान समेत उन सभी संगठनों और नेताओं का आभार जताया, जो अफगानिस्तान के प्रति सकारात्मक सोच और सहयोग का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर पाकिस्तानी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (खवक-ऋ) और उसके प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने दोनों देशों से संवाद और शांति बनाए रखने की अपील की थी। बता दें कि हक्कानी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब जेयूएल-एफ के नेता मौलाना फजलुर रहमान ने 23 दिसंबर को पाकिस्तान की ही आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों पर हमला किया और अफगान शरणार्थियों को देश से निकाल दिया। ऐसे में फजलुर रहमान का ये बयान खूब चर्चा में रहा। कैसे मुनीर और शहबाज के लिए बने सिर दर्द? इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि जेयूएल-एफ पार्टी पाकिस्तानी सरकार के गठबंधन दल का हिस्सा है। दूसरी ओर अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हाल के दिनों भीषण तनाव भी देखने को मिला। ऐसे में मौलाना फजलुर रहमान का अफगानिस्तान की तारीफ और पाकिस्तान की आलोचना करना। फिर सोमवार को तालिबानी मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी का रहमान और उनकी पार्टी का सराहना करना, कई बड़े संकेत दे रहे हैं। विषेशज्ञों की माने तो ऐसी अटकलें तेज हो रही है कि फजलुर रहमान शहबाज शरीफ और आसीम मुनीर के खिलाफ जाकर तालिबान का समर्थन कर सकते है। आगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के 'सो कॉल्ड' सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसीम मुनीर की मुश्किलें सातवें आसमान पर पहुंच गई है। ऐसे में सवाल ये खड़ा हो रहा है कि क्या पाकिस्तानी उलेमाओं ने सरकार के विरोध अपना रुख कर पीएम शहबाज और मुनीर को किसी बड़े गेम का संकेत दिया है? पाकिस्तान-अफगानिस्तान से की रिश्ते ठीक करने की अपील मौलाना फजलुर रहमान ने कहा था कि जब शरणार्थी लंबे समय तक किसी देश में रहते हैं, तो उन्हें निकालने के बजाय समस्या का हल निकालना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान और अफगानिस्तान से दोस्ताना रिश्ते बनाए रखने की अपील की और कहा कि तनाव किसी देश के हित में नहीं है, बल्कि यह सिर्फ विरोधी ताकतों को फायदा पहुंचाएगा। मौलान फजल और मौफ्ती उस्मानी को किया धन्यवाद इस दौरान सिराजुद्दीन हक्कानी ने कहा कि 23 दिसंबर को हुए सम्मेलन में मौलाना फजल और धर्मशास्त्री मौफ़्ती तकी उस्मानी ने अफगानिस्तान के प्रति अपने अच्छे इरादे दिखाए, जिसके लिए अफगानिस्तान उनका धन्यवाद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दर ने भी अफगानिस्तान के प्रति सकारात्मक बयान दिए हैं। गृहमंत्री हक्कानी ने आगे कहा कि अफगानिस्तान शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और अफगान लोग किसी देश या समुदाय को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते। उन्होंने सभी से कहा कि अफगानिस्तान अब अपने देश को फिर से बनाने और विकसित करने के रास्ते पर है और बाकी देशों को इसमें साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के बारे में गलत सोच और नकारात्मक इरादों को छोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव गौरतलब है कि हाल के समय में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इसका मुख्य कारण पाकिस्तान में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है। दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष को क्रमबद्ध तरीके से समझने की कोशिश करें तो बीते 11 अक्तूबर को दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें हुई थीं। इसके बाद 15 अक्तूबर को अस्थायी संघर्ष विराम हुआ और दोबारा बातचीत शुरू की गई। फिर 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में दूसरी बातचीत हुई, लेकिन 29 अक्तूबर को पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ता उल्लाह तारार ने कहा कि बातचीत सफल नहीं रही। दूसरी ओर तुर्किय और कतर ने बीच-बचाव किया और 31 अक्तूबर को एक संयुक्त बयान जारी हुआ। इसमें कहा गया कि 6 नवंबर को मुख्य बैठक में आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी। लेकिन तीसरी बैठक के बाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद को लेकर बातचीत अब अनिश्चितकालीन हो गई है। इसके बाद अफगान तालिबान ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध रोक दिए और पाकिस्तान ने पहले ही सीमा बंद कर दी थी।

इस्लामिक स्टेट आतंकियों संग तुर्किये पुलिस की मुठभेड़ छह दहशतगर्द ढेर तीन पुलिसकर्मियों की भी मौत

अंकारा। नए साल से पहले तुर्किये की ओर से आईएसआईएस के आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई 2017 में एक नाइट क्लब में क्रक्र के हमलों में 39 लोगों की मौत के बाद से लगातार जारी है। उत्तरी-पश्चिमी तुर्किये में सोमवार को इस्लामिक स्टेट के आतंकियों की पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई। इस

हिंसक झड़प में तीन पुलिस अधिकारियों और इस्लामिक स्टेट के छह आतंकियों की मौत हो गई। आईएसआईएस के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहा तुर्किये उन्होंने बताया कि तुर्किये की ओर से आईएसआईएस के आतंकियों के खिलाफ अभियान को मजबूत करने के लिए पड़ोसी प्रांत बर्सा से विशेष बलों को भेजा गया था। निजी समाचार चैनल एनटीवी की रिपोर्ट के अनुसार जैसे ही झड़प सड़कों तक फैली, इलाके के पांच स्कूल दिनभर के लिए बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर प्राकृतिक गैस और बिजली की आपूर्ति भी काट दी, जबकि नागरिकों और वाहनों को इलाके में प्रवेश करने से रोक दिया गया। पिछले सप्ताह, पुलिस ने एक साथ कई छापे मारे और चरमपंथी समूह के 115 आतंकवादियों को हिरासत में लिया था। 2017 में क्रक्र के आतंकियों ने किया था हमला, मारे गए थे 39 लोग हिरासत में लिए गए आतंकियों पर क्रिसमस और नए साल के जश्न को निशाना बनाकर हमले करने की योजना बनाने का आरोप था।

ह्यूस्टन में तीन शव मिलने के बाद सीरियल किलर की अफवाह फैली लोग डरे

वॉशिंगटन। अमेरिका के ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह से लोग डरे हुए हैं। इस अफवाह की वजह है शहर के दलदली इलाकों में लगातार शवों का मिलना। इस साल अब तक 34 शव बरामद हो चुके हैं। अमेरिका के ह्यूस्टन के बफेलो बायू इलाके में इस सप्ताह तीन शव बरामद किए गए हैं, जिसके बाद से ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह फैल गई है और स्थानीय लोग डरे हुए और परेशान हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही है। हालांकि जांच अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीरियल किलर की अफवाह का कोई आधार नहीं है। हाल के समय में कई शव बरामद हुए गौरतलब है कि ह्यूस्टन में शव मिलने की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं बल्कि इस साल सितंबर में भी ह्यूस्टन की दलदली भूमि से पांच शव निकाले गए थे। उसके बाद भी इलाके में सीरियल किलर की अफवाह ने जोर पकड़ा था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पिछले साल ह्यूस्टन के स्थानीय जलमार्गों से 35 शव बरामद किए गए

थे और इस साल अब तक 34 शव मिल चुके हैं। जांच एजेंसी ने सीरियल किलर की अफवाहों को किया खारिज ह्यूस्टन के लोगों का कहना है कि इतनी संख्या में शव मिल रहे हैं तो कोई तो है, जो लोगों को मार रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।